कार्तिक कृष्ण पक्ष 7, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 120 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

23 अक्टूबर 2024 बुधवार

दोपहर मेट्रो

बेबाक खबर हर दोपहर

आज का मौसम

31 अधिकतम

22 न्यूनतम

Page- 7

निवेश की तलाश में सरकार का पांचवा पड़ाव रीवा

उद्योगों के जरिए रोजगार के तीन लाख नए अवसर खुले

रीवा/भोपाल दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार के निवेश मिशन का पड़ाव आज रीवा में है। मुख्यमत्री मोहन यादव ने यहां रीजनल इंडस्ट्री कानक्लेव का उद्घघाटन किया और उम्मीद जताई कि यह अब तक कि सबसे सफल समिट होगी। अब तक सरकार उज्जैन,ग्वालियर,सागर में ऐसे आयोजन कर चुकी है। इस समिट के जरिए बघेलखंड और बुंदेलखंड के बीच औद्योगिक निवेश के लिए सरकार आज यहां जुटे निवेशकों के समक्ष अपनी विशेषताओं की ब्रॉडिंग कर रही है। सरकार का जोर नवकरणीय उर्जा,खनिज, पर्यटन, सीमेंट उद्योगों पर ज्यादा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र को अब तक ऐसे आयोजनों से 2.45 लाख करोड़ का निवेश मिला है, इससे तीन लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने गठन के साथ ही लगातार मप्र के औद्योगिक निवेश और रोजगार की दिशा में काम कर रही है ताकि युवाओं को अवसर मिले। इसलिए सभी सेक्टर में समान रूप से काम कर रही है। खासकर के हमारे आईटी का सेक्टर हो या एमएसएमई उद्योग का सेक्टर हो, हेवी इंडस्ट्री से लेकर फूड इंडस्ट्री तक सभी क्षेत्रों में लगातार रोजगार निवेश के अभियान में हम लगे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अभी तक प्रदेश के उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर और सागर में हम रीजनल इंडस्ट्री कांन्क्लेव कर चुके हैं और इसे सफल बनाने के लिए मुंबई, कोयंबतूर, बेंगलुरु और कोलकाता इत्यादि स्थानों पर रोड शो करके भी आए हैं, जिसके सुखद परिणाम भी मिले हैं।

खनिज उद्योगों पर फोकस

इस समिट के लिये सरकार का फोकस सीमेंट, खनिज और सरप्लस पावर जैसी प्राकृतिक संपदाओं की प्रचुरता के दोहन पर है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि मुख्यमंत्री प्रदेश में ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस और सिंगल विंडो क्लीयरेंस और औद्योगिक सहयोगी पहलों से निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बना चुके हैं। 4,000 से अधिक निवेशकों ने रीवा में होने वाले इस कॉन्क्लेव के लिए पंजीकरण कराया है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में उद्योगों के लिए 9,000 हेक्टेयर से अधिक का भूमि बैंक उपलब्ध है।

पहली वरीयता मप्र को,फिर दूसरों को

सीएम यादव ने कहा कि जो उद्योगपति मप्र में काम कर रहे हैं, उन्हें सरकार प्राथमिकता दे रही है, इसके बाद दूसरे प्रदेश के लोगों को अवसर मिलेगा और यदि अवसर बाकी रहते हैं तो देश के बाहर के लोगों को मौके दिये जायेंगे।

उद्योगपतियों से वन टू वन

उद्घाटन समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने विन्ध्य क्षेत्र में निवेश प्रस्तावों के संबंध में उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा शुरू की है। बताया जाता है कि रीवा में मप्र के उद्योगपतियों के अलावा उप्र समेत देश के कई अचलों के निवेशक मौजूद हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव- 2024

'एसेट' और *लायबिलिटी* से जूझता महायुति और एमवीए का गठजोड़

महाराष्ट्र विधानसभा में 26 नवंबर के पहले नई सरकार चुनने के लिए सियासी बिसात बिछ चुकी है। 20 अक्टूबर 2019 को आए चुनावी नतीजों और सूबे की सियासी तस्वीर से तुलना करें तो जमीनी हालात बिल्कुल जुदा हैं 2019 से साफ सुथरे संदेश के बावजूद बीते पांच सालों में महाराष्ट्र में जिस तरह राजनीतिक हालात गड़बड़ाए हैं, उसने दोनों ही प्रमुख दलों यानि भाजपा और कांग्रेस की पेशानियों पर बल पैदा कर रखे हैं। कारपोरेट जगत में एसेट यानि धरोहर को संभालने और लायबिलिटी यानि बोझे से मुक्ति वाला फार्मूला चलता है। लेकिन महाराष्ट्र की सियासत में चुनावी मुहाने पर खड़े दोनों की प्रमुख दलों को लायबिलिटी यानि बोझे को ढोना ऐसी मजबूरी बन गया है जिसके भंवर से मतदाता ही निजात दिला सकते हैं। एममवीए में कांग्रेस और एनसीपी (पवार) के लिए शिवसेना और भाजपा- शिंदे की शिवसेना के लिए अजीत पवार की एनसीपी बोझ बन गई है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

पिछले चुनाव यानि 2019 में 288 सीटों वाले महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा-शिवसेना गठबंधन को साफ बहुमत देते हुए भाजपा को 106 और शिवसेना को 56 सीटें देकर स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार चलाने का जनादेश दिया था। शिवसेवा के संस्थापक बाला साहब टाकरे ने हिंदुत्व की विचारधारा पर भाजपा को अपना सहयोगी मानते हुए बरसों गठजोड़ चलाया। इसका बुनियादी आधार यही था कि दोनों में से जिस पार्टी के ज्यादा विधायक जीतेंगे उसका मुख्यमंत्री होगा। 2019 में भाजपा बेहतर स्ट्राइक रेट के साथ 106 सीटें जीतकर बड़े भाई की भूमिका में आ गई और 56 सीटों के साथ शिवसेना पिछड़ गई। बालासाब के फार्मूले के तहत मुख्यमंत्री भाजपा का बनना था। लेकिन बाला साहब के बेटे उद्धव कहिए याकि उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे की जिद के चलते चुनाव पूर्व बना गठबंधन सरकार बनने के पहले ही ध्वस्त हो गया। रश्मि ठाकरे की जिद थी कि पहली बार जीता उनके बेटे आदित्य ठाकरे को भाजपा मुख्यमंत्री के बतौर स्वीकार करे।

इसी बीच महाराष्ट्र की राजनीति में उफान आया। भाजपा के देवेंद्र फणनवीस ने अजीत पवार के साथ मिलकर मुख्यमंत्री की गद्दी संभाल ली और अजीत ने उपमुख्यमंत्री बनकर सबकों चौंकाया। चौबीस घंटे भी यह नहीं टिका और भाजपा की जमकर फजीहत हुई। लेकिन इसके बाद बाला साहब ठाकरे के तमाम उसूलों को ताक में रखकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अगाड़ी के बतौर जो गठबंधन बनाकर दो साल सरकार चलाई उसने ठाकरे के गैर कांग्रेस वाद और कांग्रेस-एनसीपी के सांप्रदायिकता विरोधी सेक्युलर वाद की छवि को धोकर रख डाला। अजीत पवार को यहां भी उपमुख्यमंत्री का ओहदा मिला। इस बेमेल गठजोड़ का जो नतीजा होना था वह हुआ और शिवसेना से एकनाथ शिंदे 56 में से 40 विधायक तोडक़र भाजपा के साथ हो लिए। सरकार भाजपा और शिवसेना शिंदे की बन गई।

वैचारिक धरातल के हिसाब और हिंदुत्व के मूल पिंड के साथ यहां तक तो सब ठीक था। अचानक उथलपुथल हुई और 40 विधायकों से साथ अजीत पवार एक बार फिर भाजपा से जुड़ गए। उपमुख्यमंत्री का पद यहां भी उनके लिए था। यानि भाजपा और शिवसेना शिंदे भी महायुति के साथ उस मुकाम पर जाकर खड़ी हो गई जहां कांग्रेस और एनसीपी शरद पवार का सांप्रदायिक ताकतों के विरोध वाला वैचारिक धरातल डगमगाया था। बहरहाल महायुति के साथ जुड़ते ही अजीत पवार के भ्रष्टाचार के दाग धुल गए। उनके साथ महायुति में आए एनसीपी के कद्दावर नेता प्रफुल्ल पटेल भी पाक साफ हो गए। लोकसभा चुनाव में अपनी ननद सुप्रिया सुले से हारी अजीत की पत्नी सुनेत्रा पवार भाजपा की मदद से राज्यसभा में जा पहुंची। लेकिन इस सबका खामियाजा भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भुगता। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटों में से अजीत पवार की पार्टी मात्र एक सीट जीत सकी तो भाजपा 23 सीटों से खिसककर 9 सीटों पर आ गई। शिंदे की शिवसेना को सात को उद्धव की शिवसेना को 8 सीटें मिली। इसके विपरीत भाजपा पर संविधान बदलकर आरक्षण खत्म करने के मंसूबे के दुष्प्रचार के खेल में कामयाबी हासिल करते हुए अपनी सीट 1 से बढ़ाकर 13 तक जा पहुंची। हालांकि उसके वोट प्रतिशत में न तो कोई खास बढ़ोत्तरी हुई और न भाजपा का जनाधार घटा। लेकिन वैचारिक स्तर पर साख दोनों ही बेमेल गठजोड़ की घटी।

अब 2024 के प्रस्तावित चुनावों की बात करें तो महायुति में भाजपा तकरीबन 155 से 160 सीटों पर चुनाव लडऩे जा रही है। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के खाते में करीब 80 तो अजीत पवार की एनसीपी को महायुति के बैनर तले 45 से 50 सीटों पर चुनाव लडऩे का मौका मिलने जा रहा है। जहां तक महाविकास अगाड़ी की बात करें तो कांग्रेस 90 से 100 सीटो पर मैदान में उतरने को बेताब है तो शिवसेना (उद्धव ठाकरे) का भी लगभग इतनी ही सीटों पर दावा है। एमवीए में महायुति के मुकाबले सीटों को लेकर ज्यादा रस्साकशी है। इसके चलते ही राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाटा पटोले की जगह बाला साब थोराट को सीट शेयरिंग के फार्मूले की चर्चा में आगे किया है।

असमंजस में महाराष्ट, केमुस्लिम मतदाता: जहां तक महायुति में भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना की बात करें तो हिंदु मतदाताओं में कोई खास संशय नहीं है। खासतौर से इन दोनों ही दलों को महाराष्ट्र की सभी सीटों पर फैले 30 से 35 फीसदी राष्टीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े प्रतिबदध मतदाताओं से आस है। लेकिन अजीत पवार की एनसीपी को उनका साथ मिलेगा इसको लेकर संदेह कायम है। उसी प्रकार महाराष्ट्र के मुस्लिम मतदाता भाजपा और शिवसेना का साथ देने वाले अजीत पवार की पार्टी को वोट देंगे,ऐसा लगता नहीं है। क्योंकि मुस्लिम मतदाताओं का मन बिल्कुल साफ है वे भाजपा या उसका साथ देने वाले किसी भी दल को वोट नहीं देंगे। अजीत पवार की पार्टी का 2024 के लोकसभा चुनाव वाला ट्रेंड जारी रहा तो महायुति को भारी झटका लग सकता है। उसकी तरह ठाकरे की शिवसेना से भी मुस्लिम परहेज करेंगे तो उसका नुकसान कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी की उठाना पड़ेगा। महाराष्ट्र में खतरा ओवैसी की एआईएमएम के साथ आंबेडकर की दलित पार्टी सहति आधा दर्जन से ज्यादा पार्टियां और बागी निर्दलियों से भी है।

कांग्रेस को लगता है कि वह विदर्भ की 62 और मराठवाड़ा की 46 तथा पश्चिमी महाराष्ट्र की 58 सीटों में से काफी सीटें जीतकर अपने विधायकों का आंकड़ा 44 से बढ़ाकर 80-90 सीटों तक पहुंच सकती है। दूसरी तरफ भाजपा भी इन इलाकों से इतनी ही सीटें जीतने का अरमान पाले है। लेकिन दोनों गठबंधन में सरकार किसकी बनेगी यह चाचा शरद और भतीजे अजीत की पार्टी तथा शिवसेना के दोनों धड़ों के प्रदर्शन पर निर्भर है। महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में फैली 75 और मध्यप्रदेश और गुजरात से सटी उत्तरी महाराष्ट्र 47 सीटों के नतीजे महाराष्ट्र की सियासत को निर्णायक मुकाम पर पहुंचा सकते हैं। 23 नवंबर को फैसला हो जाएगा कि एमवीए के लिए ठाकरे की शिवसेना और महायुति के लिए अजीत पवार की एनसीपी कितनी एसेट या लायबिललिटी साबित होगी। उलझते समीकरणों के बीच 26 नवंबर तक नई सरकार का गठन नहीं हुआ तो भले ही कुछ दिनों के लिए लगे पर महाराष्ट्र में राष्टपति शासन लगने की आशंका को भी खारिज नहीं किया सकता।

नेतन्याहू के बेडरूम तक पहुंच गया हिजबुल्लाह का ड्रोन!

यरुशलम, एजेंसी।

हिजबुल्लाह के खात्मे के लिये जुटे इजरायल को अपने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सुरक्षा के लिये भी जूझना पड रहा है। चार दिन पहले जब सीजेरिया स्थित नेतन्याहू के आवास को निशाना बनाया था, तब मामला 'बाल-बाल' बचने वाला रहा है। इसका खुलासा अब हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नेतन्याहू के आवास पर हमले की जो तस्वीरें अब सामने आई हैं, उससे पता चलता है कि हिजबुल्लाह का हमला कितना सटीक था। इजरायली अधिकारियों के सेंसर हटाने के बाद सामने आई एक तस्वीर में ड्रोन के हमले से घर को हुए नुकसान का पता चलता है। तस्वीरों से पता चलता है कि लेबनान से भेजा गया हिजबुल्लाह का ड्रोन इजरायली प्रधानमंत्री के बेडरूम की खिड़की से टकराया था। तस्वीरों में नेतन्याहू के बेडरूम की खिड़की में बड़ी दरार और दीवार पर झुलसने के निशान हैं। हालांकि, मजबूत कांच और अन्य सुरक्षा कारणों से यह घर के अंदर नहीं घुस पाया था। कांच के टुकड़े स्विमिंग पूल में गिरे, जबकि इमारत के अन्य टुकड़े अहाते में पाए गए।

इजरायली अधिकारियों ने पहले ही बताया था कि हमले के समय नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। अगर नेतन्याहू या परिवार का कोई भी सदस्य वहां होता यह बड़ी घटना में बदल सकता था। खास बात यह है कि हमला एकदम सुबह किया गया था। इस समय अक्सर लोग घर के बाहर गार्डेन या अहाते में निकलते हैं। नेतन्याहू ने हमले के तुरंत बाद को कहा था, 'ईरान के जिन एजेंटों ने आज मेरी और मेरी पत्नी की हत्या करने की कोशिश की, उन्होंने बड़ी गलती की है।

आधी रात के बाद फिर बदले मप्र के मैदानी पुलिस अफसर

भोपाल। मप्र में बीती आधी रात के बाद 7 आईपीएस अफसरों का तबादला हुआ। सरकार ने इंदौर पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता को मुख्यमंत्री का ओएसडी बनाया, उज्जैन आईजी संतोष सिंह को इंदौर का नया पुलिस कमिश्नर बनाने के आदेश जारी किये। 3 जिलों के एसपी भी बदले गए । उमेश जोगा, को अब अपर परिवहन आयुक्त, ग्वालियर के पद से उज्जैन जोन का एडीजी बनाया गया है। जबलपुर एसपी आदित्य प्रताप सिंह को पुलिस मुख्यालय में पदस्थ किया है। देवास एसपी संपत उपाध्याय को जबलपुर एसपी तथा बड़वानी एसपी पुनीत गहलोत को देवास एसपी बनाया गया है। इंदौर पुलिस उपायुक्त जगदीश डाबर अब बड़वानी के एसपी होंगे।

दाना को लेकर हाई अलर्ट,आज रात मचा सकता है तबाही

कोलकाता। चक्रवाती तूफान दाना को लेकर ओडिशा और बंगाल सरकार हाई अलर्ट पर हैं। केंद्र सरकार भी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

चक्रवाती तूफान दाना के 25 अक्तूबर को ओडिशा के पुरी और बंगाल के सागर जिलों तक पहुंचने का अनुमान है। इस दौरान तूफान के असर से 120 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और भारी बारिश का अनुमान है। 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह तक यह पुरी और सागर द्वीप के बीच उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों को पार करेगा, इस दौरान हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है। आशंका है कि यह तूफान भारी तबाही मचा सकता है। पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में आने वाले संभावित चक्रवाती तूफान 'दाना' के मद्देनजर सुरक्षा कारणों से रेलवे ने 12 ट्रेनों का परिचालन रद्द करने का फैसला किया है।

मेट्रो एंकर

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें से 17वें स्थान पर पहुंचे, दौलत हुई कम

अंबानी पर पड़ा बाजार की *चाल* का सबसे बड़ा प्रभाव, अमीरों की लिस्ट में 6 *पायदान* नीचे

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार भले ही गुलजार नजर आता है, लेकिन इसके उतार चढ़ाव ने कई लोग 'बुरी तरह' प्रभावित भी हो रहे हैं। एशिया के सबसे अमीर भारतीय मुकेश अंबानी की बादशाहत को नजर लग रही है। इस वक्त आलम यह है कि दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में वह लगातार नीचे खिसकते जा रहे हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार मुकेश अंबानी इस समय दुनिया के सबसे अमीरों की लिस्ट में 17वें स्थान पर आ गए हैं। जबकि कुछ समय पहले तक लिस्ट में वह 11वें नंबर पर काफी समय तक डटे रहे। अमीरों की लिस्ट में नीचे आने के साथ-साथ अंबानी की दौलत में भी लगातार कमी आ रही है। उनकी नेटवर्थ घटकर 101 बिलियन डॉलर रह गई है। ऐसे में इनके ऊपर 100 बिलियन डॉलर के क्लब से बाहर होने का भी खतरा मंडराने लगा है। एक दिन पहले ही मुकेश अंबानी की दौलत में 2.18 बिलियन डॉलर की कमी आई है। करीब दो महीने पहले जब मुकेश अंबानी अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर थे तब इनकी नेटवर्थ 112 अरब डॉलर थी। वह

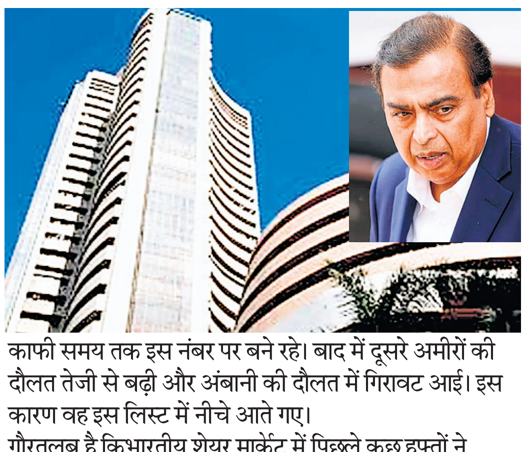

काफी समय तक इस नंबर पर बने रहे। बाद में दूसरे अमीरों की दौलत तेजी से बढ़ी और अंबानी की दौलत में गिरावट आई। इस कारण वह इस लिस्ट में नीचे आते गए।

गौरतलब है किभारतीय शेयर मार्केट में पिछले कुछ हफ्तों ने लगातार गिरावट आ रही है। काफी बड़ी-बड़ी कंपनियों के शेयर नीचे आ गए हैं। इसी में अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज भी शामिल है। पिछले एक महीने में रिलायंस के शेयरों में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। ऐसे में अंबानी की दौलत भी कम हुई है। अंबानी जिस 11वें नंबर पर काफी समय तक बने रहे, अब उस पर एनवीडिया कंपनी के फाउंडर जेसन हुआं हैं। जेसन हुआंग की नेटवर्थ 125 बिलियन डॉलर है। एनवीडिया दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनी है। साथ ही वह एप्पल के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मूल्यवान कंपनी भी है।

टॉप पर अभी भी एलन मस्क

इस लिस्ट में टॉप पर अभी अरबपति एलन मस्क का नाम है। टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क की नेटवर्थ 240 बिलियन डॉलर है। यानि भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ के मुकाबले दोगुने से ज्याद! इस लिस्ट में मस्क काफी समय से नंबर एक के स्थान पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर अमेजन के जेफ बेजोस (212 बिलियन डॉलर) और तीसरे नंबर पर फेसबुक के मार्क जकरबर्ग (206 बिलियन डॉलर) हैं।

राजधानी में आसमान पर इन दिनों धुंधली सुबह नजर आ रही है। यह मौसम बदलने का भी संकेत है।

मेट्रो रूट के किनारे राजकाज भूमि के नीचे जाएगा पानी

मेट्रो बना रहा जल संरक्षण के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

मेट्रो रेल का एलीवेटेड कॉरीडोर अपने आसपास का भूजल बढ़ाएगा। इसके लिए मेट्रो रेल कारपोरेशन कॉरीडोर के नीचे वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बना रहा है। इससे कॉरीडोर व आसपास का पानी सीधे सिस्टम से जमीन के नीचे जाएगा। इससे प्रति किमी करीब सात लाख लीटर पानी जमीन के अंदर जाएगा। इस पहल से भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कारपोरेशन से जुड़े एक्सपर्ट्स के अनुसार कॉरीडोर के हर पीयर के पास सिस्टम विकसित किया है। कॉरीडोर के पानी को 15 इंच के मोटे पाइप पीयर्स के सहारे नीचे जमीन तक लाया जाएगा। यहां छोटे कुंओं के आकार के चैंबर बनाए गए हैं। छोटे चैंबर से बड़ा चैंबर कनेक्ट है। करीब दस फीट तक गहराई रखी गई। नीचे बजरी व इसी तरह की सामग्री भरी गयी ताकि पानी प्राकृतिक तौर पर साफ होकर जमीन में अंदर रिस जाए। एम्स की ओर इसे बना दिया गया है। पूरे कॉरीडोर में इसे बनाया जाएगा। इस सिस्टम से एम्स, अल्कापुरी से लेकर साकेत नगर, अरेरा कॉलोनी, एमपी नगर ओर आगे पुराने शहर तक भूजल स्तर बेहतर होने की स्थिति बनेगी।

इसलिए जरूरी

मेट्रो निर्माण के दौरान काफी पेड़ काटे गए थे। एम्स से डीआइजी तिराहा तक काफी पुराने और बड़े पेड़ थे। संबंधित क्षेत्र में इनसे भूजल स्तर बेहतर बना रहता था। मेट्रो कॉरीडोर के लिए पर्यावरणीय अनुमति में इस जलस्तर को बनाए रखना जरूरी बताया गया था इसलिए ये सिस्टम विकसित किया।

440 करोड़ लीटर पानी का संग्रहण

मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी एस चैतन्य कृष्णा ने बताया कि मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत पर्यावरण और जल संरक्षण के कई प्रयोग किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वाटर रिचार्जिंग की पहल की जा रही है। मेट्रो अपने सामाजिक दायित्व को भोपाल में बेहतर तरीके से निभाएगा। वाटर हार्वेस्टिंग एक्सपर्ट एके पांडे का कहना है कि मेट्रो का प्रयोग बेहतर है। इस तरह शहर में करीब 400 किमी लंबे मुख्यमार्ग किनारे रोड साइड वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित किया जा सकता है। दस मीटर चौड़ी एक किमी लंबी सड़क किनारे रेन वाटर चैनल व फिल्टरिंग यूनिट बनाकर पानी को जमीन में उतारा जा सकता है। 50 एमएम बारिश में इस एक किमी सडक किनारे पांच लाख लीटर पानी जमीन के नीचे जा सकता है। 400 किमी लंबी सडकों से 440 करोड़ लीटर पानी जाने से भूजल स्तर बढ़ेगा।

सरकार के जमीन देने के निर्णय से संत समाज खुश

सीएम ने उज्जैन में अखाड़ा प्रमुखों व महामंडलेश्वरों को 5-5 बीघा जमीन देने का एलान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सरकार के निर्णय से संत समाज खुश है। मख्यमंत्री मोहन यादव के कामों की सराहना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में अखाड़ा प्रमुखों व महामंडलेश्वरों को 5-5 बीघा जमीन देने की घोषणा की थी। जिस पर संत समाज खुशी जाहिर कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि हरिद्वार की तर्ज पर उज्जैन में भी साधु -संतों को जमीन देंगे, जहां वे आश्रम निर्माण कर धार्मिक कार्य सकेंगे। व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी। जितनी जमीन दी जाएगी, उसके एक ही हिस्से में निर्माण की अनुमति होगी।

उक्त निर्णय सिंहस्थ 2028 को देखते हुए लिया है। सरकार का मानना है कि साधु संतों के लिए बार-बार ठहरने की व्यवस्था बनाने पर राशि खर्च होती है, एक बार निर्माण से इसमें बचत होगी। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष मां मनसा देवी ट्रस्ट हरिद्वार के अध्यक्ष पंचायती निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत रवींद्र पुरी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्णय को विकासोन्मुखी बताया है। जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद ने उक्त निर्णय को सनातन धर्म संस्कृति का संरक्षण करने वाला बताया। राज्यसभा सदस्य एवं पीठाधीश्वर वाल्मिकी धाम के बाल योगी उमेश नाथ महाराज ने कहा कि कुंभ मेला भारत के चार पवित्र स्थानों पर लगता है उसमें एक अवंतिका पुरी उज्जैन भी आता है। जिसमें 2028 में कुंभ मेला का आयोजन होगा। सरकार के उक्त निर्णय से महात्मा को तंबुओ में न रहकर पक्के आश्रम में रहने के अवसर मिलेंगे। यह बहुत बड़ा निर्णय है। आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 आनंद विभूषित अवधूत बाबा अरुण गिरी महाराज (एनवायरमेंट बाबा) ने कहा कि इस निर्णय से उज्जैन का विकास हरिद्वार जैसा होगा।

बिना परीक्षा के उच्च वेतनमान की फाइल भी लौटाई

मंत्री ने लौटाई जांच और वेतनवृद्धि पर रोक यथावत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने एक जीएम के खिलाफ चल रही जांच को खारिज करने और दूसरे प्रबंधक की तीन वेतन वृद्धि रोकने के विरुद्ध की अपील को नकार दिया। इतना ही नहीं, 400 कम्प्यूटर ऑपरेटरों को बिना परीक्षा पास किए उच्च वेतनमान दिए जाने की फाइल भी लौटा दी। मंत्री के सामने ये सभी मामले मंगलवार को स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन के संचालक मंडल की बैठक में आए थे। प्रबंधक वित्त अरविंद नगरारे को गंभीर वित्तीय अनियमितता और नियम से परे हटकर परिवहनकर्ता को 52 लाख रुपए का अनुचित लाभ पहुंचाते के मामले में दोषी पाये जाने पर कठोर कार्रवाई के निर्देश शिथिल करने व प्रभारी जिला प्रबंधक मुरैना अरुण कुमार जैन की 3 वेतन वृद्धि बहाल करने का विषय भी आया था। दोनों को खारिज कर दिया है। मंत्री ने कहा कि आउटसोर्स कर्मियों को रखे जिन पर पूर्व से कोई आरोप न हो। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण की प्रमुख सचिव रश्मि अरुण शमी, आयुक्त खाद्य सिवि चक्रवर्ती, एमडी नागरिक आपूर्ति निगम पीएन यादव व अन्य अधिकारी शामिल थे। मंत्री ने कहा कि कार्पोरेशन के महाप्रबंधक अपनी जबावदेही को समझें, किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें। जनहित से जुड़े किसी भी मामले में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा की गई गडबड़ी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

अंतर महाविद्यालयीन वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 11 टीमें ले रहीं भाग

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय, संत हिरदाराम नगर में अंतर महाविद्यालयीन भोपाल जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभांरभ हुआ, प्रतियोगिता में जिले की 11 टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र का शुभांरभ साधु वासवानी एज्यूकेश्नल सोसायटी के अध्यक्ष दयालदास डेटानी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए.के. सिंह द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में डॉ सतीश कुमार तथा डॉ योगेन्द्र पुरोहित तथा साधु वासवानी महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ डी.के. दुबे, डॉ बी.डी. पाण्डेय चयन समिति के सदस्य रहे। प्रतियोगिता के संगठन सचिव जगतार सिंह है। पहले दिन के मैच में जवाहरलाल नेहरू कॉलेज, बी.एस.एस. कॉलेज, रिज़नल कॉलेज एवं आईपर कॉलेज की टीमे सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया है। 23 अक्टूबर को सेमी फाइनल मैच खेला जायेगा, इसमें जो दो टीमें विजयी होगी वे फाइनल मैच खेलेंगी।

नवनिध स्कूल में हुआ विशेष सत्र का आयोजन

हिरदाराम नगर। नवनिध स्कूल के सभागार में भारत में लिबरल एजुकेशन पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें नवनिध एवं मिठी के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सत्र में कॅरियर कोच सोहेल मटीन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिन्होंने पावर पॉइंट के माध्यम से विभिन्न डिग्री कार्यक्रमों और कॅरियर विकल्पों की जानकारी दी। सत्र की शुरुआत मेंमटीन ने लिबरल एजुकेशन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए बताया कि यह एक ऐसा शिक्षण दृष्टिकोण है जो विद्यार्थियों को 350 से अधिक विषयों के संयोजन के अवसर प्रदान करता है, जिससे वे अपनी रुचि और करियर लक्ष्यों के अनुसार शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि लिबरल एजुकेशन के अंतर्गत विभिन्न अंतःविषय क्षेत्रों जैसे कि विज्ञान, कला, वाणिज्य, पर्यावरण अध्ययन, मीडिया और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में करियर की तैयारी की जा सकती है।

सिक्स लेन होगा नीलबड़ से बरखेड़ा नाथू मार्ग

मंगलवार को क्षेत्रीय दौरे पर निकले विधायक शर्मा, नीलबड़ क्षेत्र के विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नीलबड़ से बरखेड़ा नाथू की ओर जाने वाला मार्ग सिक्स-लेन होने जा रहा है। मंगलवार को क्षेत्रीय दौरे पर पहुंचे विधायक रामेश्वर शर्मा ने पहले डीपीएस चौराहे से मेंडौरी होते हुए हरिनगर - नीलबड़ नमो शिवाय मार्ग का निरीक्षण कर सड़क सुदृढ़ीकरण के साथ उसके अधिकतम चौड़ा किए जाने के निर्देश दिए। उक्त सड़क का निर्माण एमपी आरडीसी द्वारा किया जाएगा।

साथ ही नीलबड़ चौराहे पर जाम की समस्या के चलते उसके अधिकतम चौड़ीकरण के निर्देश दिए। तदुपरांत नीलबड़ से बरखेड़ा नाथू मार्ग का प्रशासन के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान शर्मा ने अधिकारियों को सिक्स-लेन सड़क निर्माण संबंधी निर्देश देकर जल्द कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विधायक ने कलखेड़ा में बन रहे प्रधानमंत्री आवासों का निरीक्षण कर निर्माण संबंधी अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण के साथ परिसर में खेल मैदान आदि सुविधाओं के निर्माण के निर्देश दिए। गौरतलब है कि नीलबड़ क्षेत्र के बरखेड़ा नाथू में इंटरनेशनल स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। शर्मा ने निरीक्षण कर अधिकारियों से स्टेडियम का प्लान समझा व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी समय में क्षेत्र में आवागमन संबंधी गतिविधियाँ बढ़ेंगी, इसलिए स्टेडियम के आसपास के सभी मार्गों को अधिकतम चौड़ा किया जाए।

मंगलवार को संस्कार स्कूल में हुआ हनुमान चालीसा पाठ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी पब्लिक स्कूल में हनुमान चालीसा का पाठ किया। हर मंगलवार को विद्यालय की प्रार्थना सभा में विद्यार्थी शिक्षक-शिक्षिकाएं चालीसा पाठ करते हैं। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि हमारे विद्यालय में प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, पाठ को करने से भय दूर होता है और मनोबल बढ़ता है एवं हमारा मन शांत रहता है। कार्यक्रम में कनाडा से आईं, जया लालवानी ने कहा कि यहाँ आकर हनुमान चालीसा का पाठ कर मैं अपनी संस्कृति और सनातक होने पर गर्व महसूस कर रही हूं। इस अवसर पर विद्यालय के संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, समाजसेवी कमल केसवानी, मोहन लालवानी, प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी भी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर | **संत कॉलेज में सात दिनी प्रशिक्षण कार्यक्रम**

प्लांट टिश्यू कल्चर क्षेत्र में उद्यमिता के बेहतर अवसर : खान

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं ग्रो टिप्स बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के सयुंक्त तत्वावधान में, 14 से 21 अक्टूबर तक प्लांट टिश्यू कल्चर तकनीक पर एक सप्ताह का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एम.ओ.यू के अंर्तगत था। प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व ग्रो टिप्स बायोटक लैब्स की डायरेक्टर डॉ. शगुफ्ता खान ने किया। पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य व्यवहारिक कौशल प्रदान करना है।

प्लांट टिश्यू कल्चर जैसी तकनींके कृषि एवं जैव प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति ला रही है। हमारा लक्ष्य है कि छात्राएं इन नवाचारी तकनीकों में दक्ष बनें एवं आने वाले समय में देश के विकास में योगदान दे। अपने अनुभव को साझा करते हुए डॉ. खान ने छात्राओं को नवाचार को अपनाने और प्लांट टिश्यू कल्चर क्षेत्र में उद्यमिता के अवसरों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही इस क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं और इस पाठ्यक्रम में विभिन्न तकनीकों के महत्व पर जोर दिया गया, जो पौधे प्रजनन में सुधार, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और फसल उत्पादन को बढ़ाने में सहायक होती हैं। पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न टिश्यू कल्चर पद्धतियों पर गहन प्रशिक्षण दिया गया।

जिसमें बेसिक से लेकर उन्नत तकनीकों तक शामिल था। उन्हें टिश्यू कल्चर लैब की स्थापना और प्रबंधन में हाथ से काम करने का अनुभव प्राप्त हुआ, जिसमें स्टॉक तैयार करना, सीड कल्चर और मेरिस्टेम कल्चर जैसी प्रक्रियाएं शामिल थीं। छात्राओं ने एक्सप्लांट कलेक्शन, इनोक्युलेशन, सबकल्चरिंग, मल्टीप्लिकेशन और हार्डनिंग जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अभ्यास किया, जो प्लांट टिश्यू कल्चर में कुशलता के लिए आवश्यक हैं। कुल 45 छात्राओं ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया, जिन्होंने प्लांट टिश्यू कल्चर के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया।

MPIDC MP Industrial Development Corporation Ltd. | MSME

Government of Madhya Pradesh

MPSeDC

INVEST MADHYA PRADESH
GLOBAL INVESTORS SUMMIT
FEBRUARY 2025, BHOPAL

NARENDRA MODI
PRIME MINISTER

DR. MOHAN YADAV
CHIEF MINISTER

REGIONAL INDUSTRY CONCLAVE REWA

THE VIBRANT VINDHYA

23rd OCTOBER 2024 | 10:00 AM ONWARDS

KRISHNA RAJ KAPOOR AUDITORIUM

INAUGURATION BY
DR. MOHAN YADAV
CHIEF MINISTER, MADHYA PRADESH

HIGHLIGHTS

4000+ Participants | 20+ One-to-one meetings | 200+ Buyer-seller meetings | 4 Sectoral sessions | Exhibition

FOCUS SECTORS

Renewable Energy | Mining | Agriculture, Dairy & Food Processing | Tourism | Rural & Cottage Industries

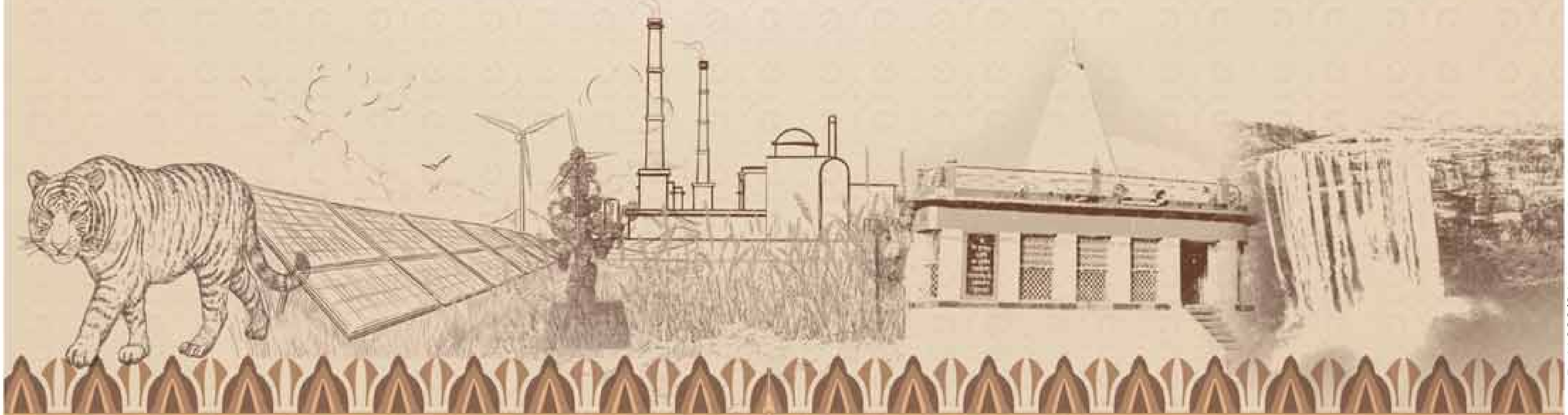

Website : invest.mp.gov.in

Government of Madhya Pradesh

D-11089/24

LIVE STREAM | @cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP | JansamparkMP | EY Knowledge Partner | CII Confederation of Indian Industry National Partner | #InvestMP2024

MPIDC(@MPIDC)/Twitter | MP Industrial Development Corporation (MPIDC) | MPIDC I Facebook | MPIDC (@mpidc_gomp) | MPIDC - YouTube

Designed by M P Madhyam/2024

Released by the Department of Public Relations, M.P.

संपादकीय

आतंक का नया टारगेट

पिछले कुछ अर्से से जम्मू-कश्मीर में आतंक एक नई शक्ल में कहर बरपा रहा है। यह प्रवासियों को निशाने पर ले रहा है। दो दिन पहले ही गांदरबल जिले में रात के वक्त आतंकवादियों ने जिस तरह से एक कंस्ट्रक्शन प्रॉजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर घटना है। इसे प्रवासियों पर अब तक का सबसे बडा हमला भी माना जा रहा है। इसमें छह जान चली गईं। इस हमले से न केवल आतंकवादियों की बौखलाहट का पता चलता है बल्कि उनकी बदली प्राथमिकताओं का भी अंदाजा मिलता है। पिछले कई वर्षों से सुरक्षा बलों की चौकसी के चलते जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी। ऐसे इलाकों को चुना गया जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले और टूरिस्टों का आना कम हो। मगर ये तमाम चालें निष्फल साबित हुईं। चुनाव में बाधा डालने का उनका प्रयास भी नाकाम रहा। न केवल लोकसभा चुनाव बल्कि विधानसभा चुनाव भी शांतिपूर्वक संपन्न हुए। इतना ही नहीं, इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बने। ऐसे में अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे। गौर करने लायक बात है कि इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखता है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए टूरिस्टों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित की जा सकेगी। जाहिर है, विदेशी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। लेकिन जैसा कि हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं। इसलिये उम्मीद बंधती है कि सम्मिलित व सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं है। वैसे तो जम्मू-कश्मीर में टारगेट अटैक के रूप में आतंकी हमलों की यह नई प्रकृति है, जिसमें आतंक का दायरा फैल रहा है। बाहरी राज्यों से आने वाले में घबराहट भी है। निश्चित रूप से यह चिंता की बात है और सुरक्षा बलों के साथ सरकार को आतंकवाद के इस नए चेहरे से निपटने के लिए अलग रणनीति पर काम करने की जरूरत है। इस समस्या के जटिल होते जाने की मुख्य वजह यह रही है कि इसके तार सीमा पार के ठिकानों से संचालित संगठनों से जुड़े हैं। वहीं से मिलने वाले संरक्षण और पोषण का नतीजा है कि कभी सुरक्षा बलों के शिविर पर हमला करके, तो कभी किसी प्रवासी मजदूर की हत्या कर आतंकी अपनी मौजूदगी दर्शाना चाहते हैं।

जीवन छोटा है, लेकिन हम इसे जो अर्थ देते हैं वह इसे शाश्वत बना सकता है।

– गाय दे मोपासां

आज का इतिहास

- 1577 : चौथे सिख गुरु रामदास ने अमृतसर शहर की स्थापना की, शहर का नाम तालाब अमृत सरोवर के नाम पर रखा।
- 1579 : जुसुइट पादरी एसजे थामस भारत आने वाले पहले अंग्रेज थे। वह पुर्तगाली नौका से गोवा पहुंचे।
- 1605 : अकबर के निधन के बाद शहजादे सलीम ने मुगल सल्तनत की बागडोर संभाली। इतिहास में उन्हें जहांगीर के नाम से जाना जाता है।
- 1775 : भारत के आखिरी मुगल शासक बहादुर शाह जफर का जन्म।
- 1851 : कलकत्ता (अब कोलकाता) और डायमंड हार्बर के बीच पहली आधिकारिक टेलीग्राफ लाइन की शुरूआत।
- 1914 : महान स्वतंत्रता सेनानी लक्ष्मी सहगल का जन्म।
- 1921 : देश के सबसे चर्चित और सम्मानित कार्टूनिस्ट आर के लक्ष्मण का जन्म। ''कॉमन मैन'' के जरिए देश के ज्वलंत मुद्दों को लकीरों ही लकीरों में बेहद व्यंग्यात्मक शैली में पेश करने में लक्ष्मण को महारत हासिल थी।
- 1945: संयुक्त राष्ट्र की स्थापना।
- 1954 : महान स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ रफी अहमद किदवई का निधन।
- 1984 : भारत की पहली मेट्रो रेल सेवा की शुरूआत। पहली मेट्रो कलकत्ता (कोलकाता) में चलाई गई और बाद में यह राजधानी दिल्ली सहित देश के अन्य शहरों में परिवहन के एक प्रमुख साधन के तौर पर सामने आई।
- 1997 : केरल में शिक्षण संस्थाओं में रैगिंग पर रोक लगाई गई। बाद में शैक्षणिक संस्थानों में फैली इस बुराई पर देशभर में रोक लगाई गई और इसके खिलाफ बाकायदा अभियान चलाया गया।
- 2000 : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी का निधन।
- 2003 : ब्रिटेन ने सुपरसोनिक यात्री विमानों को विदाई दी। इस श्रेणी के अंतिम विमान ने हीथ्रो हवाई अड्डे से उड़ान भरी।

निशाना

बाज नहीं पर आया !

- कृष्णेन्द्र राय

खाया मुंह की बार बार ।
बाज नहीं पर आया ।।
शायद पाकिस्तान पर ।
फिर ख़तरा मंडराया ।।
असर नहीं चेतावनी का ।
ना बदली है चाल ।।
लगता बड़ा सबक ।
है मिलना हर हाल ।।
होती दुम ना सीधी ।
ना बदला मिजाज़ ।।
घटनाएं अचानक ।
है इसमें कुछ राज ।।
बड़ी कार्रवाई के ।
मिल रहे संकेत ।।
हो सकता है उनका ।
त्वरित ही आखेट ।।

महाराष्ट्र में हर चुनाव में बदल जाते हैं समीकरण

■ डॉ. प्रकाश हिंदुस्तानी

महाराष्ट्र की राजनीति में हर चुनाव में राजनीतिक समीकरण बदल जाते हैं। नई पार्टियां बन जाती है, पुरानी पार्टियों में विघटन हो जाता है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव दो कोणीय या त्रिकोणीय नहीं, छह कोणीय होने जा रहे हैं । बीजेपी और कांग्रेस तो मैदान में हैं ही, दो-दो शिवसेना और दो-दो एनसीपी भी मैदान में हैं। तीन तीन पार्टियों के दो मोर्चे हैं। कौन पार्टी बदल ले, गुट बदल ले और दूसरे मोर्चे में चला जाए, कहना मुश्किल होता है ! एकनाथ शिंदे के बारे में किसने सोचा था कि वे अलग हो जाएंगे और अजित पवार के बारे में किसी ने भी शायद ही सोचा होगा कि वे अपने चाचा का साथ छोड़ देंगे? महाराष्ट्र की राजनीति में दल बदल स्थायी भाव है। चुनाव के पहले वहां दल बदल का जोर हमेशा ही रहता है। इस बार भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पहले ही धमाके पर धमाके हो रहे हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना में दो बड़े नेताओं ने एंट्री कर ली है जिससे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दो मंत्री और एक विधायक मुश्किल में आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी को भी झटके पर झटके लग रहे हैं। अब पूर्व विधायक राजन तेली, दीपक सालुंखे और सुरेश बनकर उद्धव ठाकरे के की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इन नेताओं ने न केवल पार्टी बदली है, बल्कि अपना अपना मोर्चा भी संभाल लिया है।

एकनाथ शिंदे ने जब बगावत कर दी थी, तब उद्धव ठाकरे, शिंदे और उनके 40 विधायकों को गद्दार बताते थे, लेकिन अब उद्धव ठाकरे ने उन्हीं गद्दारों को अपने यहां बुलाना शुरू कर दिया है। इसी रणनीति के तहत मातोश्री में तीन नेता शिवसेना (उद्धव) में आ गए।

अजित पवार गुट की एनसीपी के नेता और पूर्व विधायक दीपक सालुंखे ने इसकी अगुवाई की। वे पार्टी के सोलापुर जिलाध्यक्ष थे। यह अजित पवार के लिए झटका है। वे सांगोला में शिवसेना (शिंदे) के विधायक शाह जी बापू पाटिल देंगे। विधायक हैं। बीजेपी के नेता और पूर्व विधायक राजन तेरी भी शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट में शामिल हो गए हैं। 19 साल बाद यह उनकी घर वापसी है।

राजन तेली का उद्धव ठाकरे की शिवसेना में आना राणे गुट के लिए झटका है। बीजेपी के एक और नेता सुरेश बनकर अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना में शामिल हो गए। छत्रपति संभाजी नगर विधानसभा क्षेत्र से 200 गाड़ियों के काफिले के साथ वे मुंबई, बांद्रा पूर्व स्थित मातोश्री में पहुंचे, जहां उद्धव ठाकरे रहते हैं। उन्होंने 35 साल तक बीजेपी के लिए काम किया। उनके साथ 103 बूथ प्रमुख 115 शक्ति प्रमुख और सैकड़ों पन्ना प्रमुख भी शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट में आ गए। महाराष्ट्र में 2022 से अब तक कई महत्वपूर्ण दल बदल और राजनीतिक घटनाक्रम हुए हैं, जो राज्य की राजनीति को प्रभावित कर चुके हैं। खासतौर पर शिव सेना में बड़ा विभाजन और बीजेपी के साथ नया गठबंधन प्रमुख घटनाएं रही हैं। 2022 में शिवसेना के भीतर सबसे बड़ा राजनीतिक संकट तब शुरू हुआ जब एकनाथ शिंदे, जो उस समय उद्धव ठाकरे की महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में मंत्री थे, ने पार्टी के विधायकों के एक बड़े समूह के साथ बगावत कर दी।

एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक विधायक शिवसेना की एनसीपी और कांग्रेस के साथ गठबंधन से असंतुष्ट थे। उनका मानना था कि यह गठबंधन शिवसेना की हिंदुत्ववादी विचारधारा से समझौता कर रहा है। परिणाम यह हुआ कि शिंदे और उनके समर्थक विधायकों ने बगावत कर दी और शिवसेना के लगभग 40 विधायकों को अपने पक्ष में कर लिया। इसके बाद शिंदे ने

भाजपा के साथ हाथ मिलाकर सरकार बनाई। 2022 के जून महीने में शिंदे ने मुख्यमंत्री पद संभाला और भाजपा के देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने।शिव सेना का औपचारिक विभाजन हुआ और शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और शिव सेना (एकनाथ शिंदे गुट) के रूप में दो धड़े सामने आए। 2023 में महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़ा घटनाक्रम तब हुआ जब एनसीपी में शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने बगावत कर दी। अजित पवार ने पार्टी के एक बड़े धड़े के साथ एनसीपी से अलग होकर भाजपा और एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल होने का फैसला किया। वह महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री बने और उनके साथ कई एनसीपी नेता भी सरकार में शामिल हुए। एनसीपी का भी औपचारिक विभाजन हो गया। शरद पवार ने अजित पवार के कदम की आलोचना की और कहा कि एनसीपी में बगावत से पार्टी को नुकसान हुआ है। हालांकि, एनसीपी का अजित पवार धड़ा अब राज्य सरकार का हिस्सा है।

महाविकास आघाड़ी गठबंधन का हिस्सा कांग्रेस भी थी। कांग्रेस ने भी महाराष्ट्र में दल बदल देखे। भाजपा और शिंदे गुट के साथ कई नेताओं ने कांग्रेस छोड़ दी। नारायण राणे महाराष्ट्र के एक प्रमुख नेता रहे हैं, जिन्होंने शिव सेना से राजनीति की शुरुआत की थी। शिव सेना छोड़ने के बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गए और राज्य के मुख्यमंत्री भी बने। लेकिन 2017 में नारायण राणे ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया और अपनी पार्टी 'महाराष्ट्र स्वाभिमान पक्ष' बनाई। बाद में वे भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल हो गए। राणे अभी लोकसभा के सदस्य हैं। राधाकृष्ण विखे पाटिल महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता थे। वे राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया और भाजपा में शामिल हो गए। इसके पीछे मुख्य कारण उनके बेटे सुजय विखे पाटिल का कांग्रेस में स्थान न मिलना था। हरिभाऊ बागड़े

कांग्रेस से शिव सेना में (1980 के दशक में) और फिर बीजेपी में चले गए। हरिभाऊ बागड़े, जो बाद में महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष बने, कांग्रेस के सक्रिय नेता थे, लेकिन उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर पहले शिवसेना और फिर भारतीय जनता पार्टी का रुख किया। कृष्णा खोपड़े कांग्रेस से बीजेपी में (2014)ः नागपुर से ताल्लुक रखने वाले कृष्णा खोपड़े भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। 2014 में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया। वह नागपुर क्षेत्र में सक्रिय हैं और महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य भी रहे हैं। अशोक चव्हाण, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने बीजेपी की सदस्यता ली और राज्यसभा सदस्य हैं।

महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पहचान 1980 के दशक में बनानी शुरू की, लेकिन 1995 में जब भाजपा-शिवसेना गठबंधन सत्ता में आया, तब इसे एक प्रमुख पार्टी के रूप में मान्यता मिली। भाजपा धीरे-धीरे महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी मध्यम वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करती रही।

2022 में महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उथल-पुथल तब हुआ जब शिवसेना का विभाजन हो गया। 2023 में शरद पवार की एनसीपी भी विभाजन का शिकार हो गई, जब उनके भतीजे अजित पवार ने बागी होकर भाजपा के साथ गठजोड़ किया। शरद पवार और अजित पवार के बीच विभाजन ने राज्य की राजनीति में अनिश्चितता बढ़ा दी।

महाराष्ट्र की राजनीति जटिल मोड़ पर है। शिवसेना का विभाजन और एनसीपी में गुटबाजी इसे जटिल बनाते हैं। उद्धव ठाकरे की शिव सेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार धड़ा) और कांग्रेस का गठबंधन भविष्य में फिर से सक्रिय हो सकता है, खासकर अगर वे भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का निर्णय लेते हैं। शरद पवार की रणनीति और नेतृत्व इस गठबंधन के भविष्य को तय करेंगे। अजित पवार बीजेपी के साथ कितने समय तक बने रहते हैं, यह भी सवाल है। क्या एनसीपी का उनका धड़ा राज्य की राजनीति में लंबी अवधि तक प्रभावी रह पाता है या वे खुद शरद पवार के साथ चले जाएंगे, यह अनिश्चित है। महाराष्ट्र के आगामी चुनावों में महाराष्ट्र की राजनीति में और भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, खासकर 2024 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर। ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि कौन किसके साथ जाएगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बदलाव का दौर चलता रहेगा, और यहाँ की राजनीति देश की राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डालती रहेगी।

-साभारः यह लेखक के विचार हैं।

कितना कामयाब होगा DNA कंप्यूटर का सपना

■ मुकुल व्यास

डीएनए यानी डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड के लंबे-लंबे अणुओं में पृथ्वी पर जीवन की सूचनाएं तो हैं ही, साथ ही समस्याओं को हल करने की प्रणाली भी है। DNA की इन खूबियों से प्रेरणा लेकर इंजिनियर एक ऐसा जैविक कंप्यूटर बनाना चाहते हैं जो DNA में डेटा रेकॉर्ड कर सके। वे एक ऐसा सिंथेटिक सिस्टम डिजाइन करने की कोशिश कर रहे हैं, जो एक ही समय में डेटा स्टोर करने के साथ-साथ दूसरे कार्यों को भी अंजाम दे सके। नई रिसर्च ने दिखाया है कि DNA से दोनों तरह के काम कराए जा सकते हैं।

विशाल स्टोरेज-ष्ठह्न आधारित सिस्टम का उपयोग करके, एक हजार लैपटॉप में समा जाने वाले डेटा को एक पेंसिल इरेजर जितनी जगह में विश्वसनीय रूप से स्टोर किया जा सकता है। इस तरह विशाल डेटाबेस को दीर्घकालिक रूप से स्टोर करना मुमकिन है। इस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों का कहना है कि नया सिस्टम हमें DNA डेटा स्टोरेज और कंप्यूटिंग कार्यों की पूरी श्रृंखला का संचालन करने में सक्षम बनाता है। हालांकि हम अभी इन DNAकंप्यूटरों के व्यापक उपयोग से बहुत दूर हैं, लेकिन नया अध्ययन दिखाता है कि ऐसा किया जा सकता है। सदियों तक टिकाऊ -पहले से ही जैविक मशीनें शतरंज और सुडोकू की सरल प्रॉब्लम्स को हल करने में सक्षम हैं। DNA के सूक्ष्म अणुओं की यह खूबी निश्चित रूप से प्रभावशाली है। जैविक कंप्यूटर भले ही इस समय शक्तिशाली या तेज न हों, लेकिन DNA स्टोरेज और कंप्यूटिंग ने एक बहुत छोटी जगह में विशाल मात्रा में जानकारी को एकत्र करने का करिश्मा दिखाया है। वह भी ऐसे माध्यम पर जो संभावित रूप से समस्त सभ्यताओं से अधिक समय तक चल सकता है। रिसर्चरों का मानना है कि उनका अध्ययन आणविक कंप्यूटिंग की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कंप्यूटर मास्टर

DNA के जैविक अणुओं यानी न्यूक्लिक एसिड की श्रृंखला से सब तरह की कंप्यूटिंग हो सकती है। इन कार्यों में डेटा को स्टोर करने, पढ़ने, मिटाने, ट्रांसफर करने और फिर से लिखने के अलावा इन कार्यों को प्रोग्राम करने लायक बनाना और दोहराना शामिल है। एक पारंपरिक कंप्यूटर इसी तरह काम करता है। नॉर्थ कैरोलाइना स्टेट यूनिवर्सिटी (एनसी स्टेट) और जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने एक्सपेरिमेंट में दिखाया कि उनका नया न्यूक्लिक एसिड ढांचा DNA कंप्यूटिंग की बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है। इसमें अविश्वसनीय रूप से कॉम्पैक्ट जैविक मशीनें बनाने की क्षमता है।इस अध्ययन से जुड़े जीवविज्ञानी अल्बर्ट केंग ने कहा कि पहले यह सोचा गया था कि DNAलंबे समय तक डेटा स्टोरेज के लिए उपयोगी हो सकता है। लेकिन पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में पाए जाने वाले ऑपरेशन की पूरी श्रृंखला को शामिल करने वाली DNA तकनीक विकसित करना मुश्किल या असंभव होगा। हमने प्रदर्शित किया है कि ये DNA-आधारित तकनीकें व्यावहारिक हैं, क्योंकि हमने एक ऐसी तकनीक विकसित कर ली है। DNAजीवों के लिए एक कोड बेस के रूप में काम करता है, जो जैविक संरचनाओं और प्रक्रियाओं के लिए टेंपलेट प्रदान करता है। फिर भी सिद्धांत रूप में रासायनिक लड़ी सूचना के किसी भी सीक्वेंस की नुमाइंदगी कर सकती है। वर्षों से वैज्ञानिक DNA की मुक्त लड़ियों में सभी प्रकार के डेटा भरने का तरीका डिवेलप करने में जुटे हुए हैं।

कॉपी-पेस्ट -नए अध्ययन में रिसर्चर अणुओं को छोटे वृक्ष जैसी संरचनाओं पर स्टोर करने में सफल रहे। इन संरचनाओं को डेंड्रिकोलॉइड कहा जाता है। एक खास बात यह है कि रिसर्चर DNA कोड को और भी आसानी से संपादित करने में सक्षम हो गए। इस सिस्टम की खासियत यह है कि डेंड्रिकोलॉइड संरचनाओं में संग्रहीत सूचनाओं में अंतर किया जा सकता है। इस वजह से यह डेटा को RNA (राइबोन्यूक्लिक एसिड) फॉर्म में कॉपी करने में सक्षम बनाता है। मूल DNAफाइल या स्टोरेज माध्यम को नुकसान पहुंचाए बगैर इस डेटा को प्रॉसेस किया जा सकता है। इससे भी बेहतर बात यह है कि पॉलिमर संरचनाओं की तुलना में डेंड्रिकोलॉइड संरचनाओं की शाखाएं DNA की जानकारी को संरक्षित करने में भी मदद करती हैं। एक विश्लेषण से पता चला कि लगभग 4 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर डेंड्रिकोलॉइड पर संग्रहीत ष्ठह्न की लड़ों का जीवन 500 साल का होगा। कम तापमान पर यह अवधि लाखों साल हो सकती है।

विशाल स्टोरेजः DNA आधारित सिस्टम का उपयोग करके, एक हजार लैपटॉप में समा जाने वाले डेटा को एक पेंसिल इरेजर जितनी जगह में विश्वसनीय रूप से स्टोर किया जा सकता है। इस तरह विशाल डेटाबेस को दीर्घकालिक रूप से स्टोर करना मुमकिन है। इस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों का कहना है कि नया सिस्टम हमें DNAडेटा स्टोरेज और कंप्यूटिंग कार्यों की पूरी श्रृंखला का संचालन करने में सक्षम बनाता है। हालांकि हम अभी इन DNA कंप्यूटरों के व्यापक उपयोग से बहुत दूर हैं, लेकिन नया अध्ययन दिखाता है कि ऐसा किया जा सकता है।

सदियों तक टिकाऊ -पहले से ही जैविक मशीनें शतरंज और सुडोकू की सरल प्रॉब्लम्स को हल करने में सक्षम हैं। DNA के सूक्ष्म अणुओं की यह खूबी निश्चित रूप से प्रभावशाली है। जैविक कंप्यूटर भले ही इस समय शक्तिशाली या तेज न हों, लेकिन DNA स्टोरेज और कंप्यूटिंग ने एक बहुत छोटी जगह में विशाल मात्रा में जानकारी को एकत्र करने का करिश्मा दिखाया है। वह भी ऐसे माध्यम पर जो संभावित रूप से समस्त सभ्यताओं से अधिक समय तक चल सकता है। रिसर्चरों का मानना है कि उनका अध्ययन आणविक कंप्यूटिंग की दिशा में एक बड़ा कदम है।

-साभारः यह लेखक के विचार हैं।

संभाग आयुक्त ने गूगल मीट एवं समय सीमा की बैठक में दिये निर्देश

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में फिर सामूहिक विवाह के कार्यक्रम आयोजित होंगे : संभागायुक्त

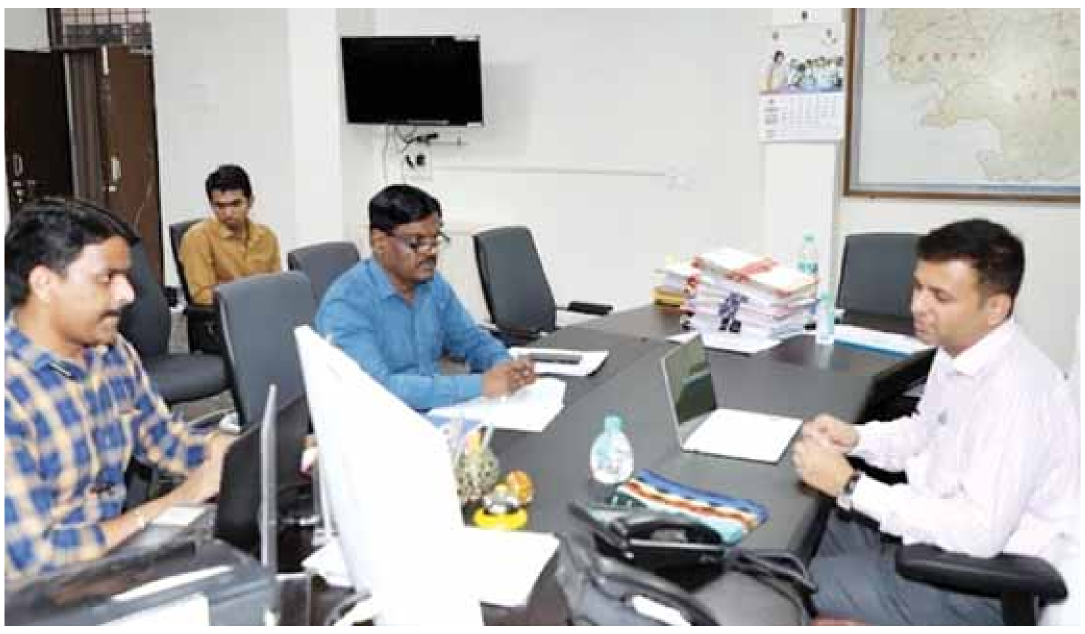

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संभागायुक्त केजी तिवारी ने गूगल मीट एवं संभागीय समय सीमा की बैठक में बताया की मुख्यमंत्री कन्यादन विवाह /निकाह प्रोत्साहन योजना में पुनः सामूहिक विवाह के कार्यक्रम शासन द्वारा आयोजित कराए जाएंगे। इस संबंध में संभागायुक्त ने संभाग के नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा जिले के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिये की एक कैलेंडर बनाकर शासन को भिजवायें और तत्संबंध में धर्म गुरुओं से भी आवश्यक चर्चा भी कर ले । संभागायुक्त ने आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की, एवं आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज प्रकरणों की निराकरण की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये सभी राजस्व अधिकारियों को प्रकरण के निराकरण में अपना प्रदर्शन सुधारने के निर्देश दिये।

संभागायुक्त ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना के संबंध में पुनः अभियान चलाकर हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। संभागायुक्त ने आगामी पर्व एवं त्योहारों के मद्देनज़र तीनों जिलों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बेहतर रखने के निर्देश दिये और कहाँ की कहीं से भी कोई अप्रिय स्थिति की घटना ना हो इसके लिए पुलिस राजस्व एव अन्य अधिकारियों का अमला सर्तक और सावधान रहे। संभागायुक्त ने फटाखो के विक्रेताओं से कहा की वे विक्रय के दौरान फटाकों की पूर्णता सुरक्षित विक्रय सूनिश्चित करें। कहीं से भी कोई जनहानि ना हो। संभागायुक्त ने कहा की एक छोटी सी भी त्रुटि भारी पड सकती है।

संभागायुक्त ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को समग्र पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिये, साथ ही कहा की संबल योजना में नर्मदापुरम संभाग का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रहे। संभागायुक्त ने निर्देश दिये की नर्मदापुरम संभाग सभी योजनाओं में प्रथम स्थान पर रहे। इसलिए सभी अधिकारी अपने सोपे गए दायित्व का निर्वाहन पुरी ईमानदारी और मेहनत के साथ करें। संभागायुक्त ने सभी अधिकारियों को स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण करने के निर्देश दिये साथ ही सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिये की वे समय मान वेतनमान के प्रकरण दीपावाली से पूर्व निराकृत कर एवं वेतन फिक्ससेशन करके कर्मचारियों को लाभ पहुंचाना सूनिश्चित करें। संभागायुक्त ने निर्देश दिये की वन एव विस्थापित ग्राम का भ्रमण कर अधिकारी वन ग्रामों एव विस्थापित ग्रामो में चौपाल लगाना सूनिश्चित करें। बैठक के दौरान अपर आयुक्त आर पी सिंह, संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर, संभागीय उपायुक्त जनजाति कार्य विभाग जे पी यादव, डिप्टी कलेक्टर डॉक्टर बबिता राठौर, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास एच के शर्मा सहित सभी संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया बच्चों का जन्म दिवस

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार को महिला एवं बाल विकास केसला के सेक्टर पथरोटा एक की आंगनवाड़ी केंद्र 79 में मंगल दिवस के तहत बाल चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेक्टर पर्यवेक्षक चेतना धिवरे द्वारा बताया गया कि माह के प्रत्येक चतुर्थ मंगलवार को आंगनबाड़ी केंद्रों पर मंगल दिवस के तहत बाल चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में बच्चों ने कागज खिलौने मिट्टी के खिलौने ड्राइंग बनवा बच्चों ने गीत कविता सुनाई। बाल चौपाल कार्यक्रम में दो बच्चे मोक्ष एवं परम का जन्म दिवस मनाया। बच्चों से केक कटवाकर बच्चों को उपहार दिए. कार्यक्रम में बच्चों के माता दादी नानी सहित नफीस बानो रितु पथोरिया भी उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में मंगल दिवस कार्यक्रम

बालिका जन्मोत्सव का किया गया आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी ललित डहरिया के मार्गदर्शन में सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती आशा भदौरिया के नेतृत्व व मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 28 /1, व 28/3 में मंगल दिवस अंतर्गत बालिका जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित बालिकाओं को केक कटवाकर जन्मोत्सव का आयोजन हुआ। जन्मोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों को बालक एवं बालिका में भेद न करने, शिक्षा स्वास्थ्य के समुचित अवसर बालिकाओं को भी प्रदान करने व pc,pndt act संबंध में विस्तार से परामर्श सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमति आशा भदौरिया के द्वारा प्रदाय किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर, पर्यवेक्षक आशा भदौरिया, कायकार्ता डोली यादव, सरिता दुवे, वंदना वाथम, माया दरवार, उषा कार्यकर्त्ता, वार्ड की महिलाये व हितग्राही उपस्थित रहे।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सोयाबीन का खरीफ वर्ष 2024-25

पात्र कृषकों से एफ.ए.क्यू. मापदंड अनुरूप उपार्जन कार्य हेतु 13 उपार्जन केन्द्र निर्धारित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

म.प्र.शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सोयाबीन का खरीफ 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में समस्त पात्र कृषकों से एफ.ए.क्यू. मापदंड अनुरूप उपार्जन कार्य हेतु उपखंड स्तरीय उपार्जन समिति से भौतिक सत्यापन तथा प्राप्त प्रस्ताव अनुसार 13 (तेरह) उपार्जन केन्द्र नर्मदांचल वि. स. संस्था मर्या. नर्मदापुरम के एस.डब्ल्यू.सी वेयरहाउस पवारखेडा, से.स. समिति सेमरीखुर्द के पालीवाल वेयरहाउस डोलरिया, वृहत्ताकार से.स.समिति इटारसी के एस.डब्ल्यू.सी वेयरहाउस खेडा इटारसी, आ.जा.से.स.समिति नंदरवाडा के एस.डब्ल्यू.सी वेयरहाउस बानापुरा, से.स.समिति. चौतलाय के एस.डब्ल्यू.सी वेयरहाउस हथनापुर, से.स. समिति कोठरां के पंचमुखी वेयरहाउस कोठरा, से.स. समिति बिसौनी कलां के मां नर्मदा लॉजिस्टिक वेयरहाउस शिवपुर, सिवनीमालवा विपणन सह.स. मर्या. बानापुरा के रघुवंशी वेयरहाउस बानापुरा, से.स.समिति शिवपुर के श्रीकृष्णा एग्रोपार्क भिलाडिया खुर्द, से.स.समिति बहारपुर के एस.डब्ल्यू.सी वेयरहाउस सेमरीहरचंद, से.स. समिति माछा ढिकवाडा के एस.डब्ल्यू.सी वेयरहाउस ढिकवाडा, कृ.से.स.समिति खापरखेडा के एस.डब्ल्यू.सी वेयरहाउस पिपरिया एवं कृ.से.स. समिति माल्हनवाडा के एस.डब्ल्यू.सी वेयरहाउस मछेरा कला को निर्धारित कर आदेशित किया है कि उपार्जन संस्था सुनिश्चित करे कि उपार्जन के पूर्व जांच कर इस आशय का पंचनामा तैयार किया जाए कि उपार्जन हेतु चयनित गोदाम में क्या-क्या भंडारित है एवं उसमें पूर्व से सोयाबीन स्कंध का भण्डारण न हो, पंचनामा एवं फोटोग्राफ लेकर एस.डब्ल्यू.सी. एवं जिला उपार्जन समिति को प्रस्तुत करें एवं उपार्जन नीति मे जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए निर्धारित तिथि दिनांक 25 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2024 तक उपार्जन का कार्य कराना सुनिश्चित करें।

उपार्जन का कार्य 25 अक्टूबर से 31 दिसम्बर 2024 तक

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रायसेन में डिप्लोमा प्रवेष हेतु काउंसलिंग 23 तक

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय रायसेन में संचालित त्रिवर्षीय डिप्लोमा इंजीनिरिंग पाठ्यक्रमों सिविल इंजी., इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेषन इंजी., मैकेनिकल इंजी और इलेक्ट्रीकल इंजी. ब्रांच में सीएलसी के अतिरिक्त अंतिम चरण द्वारा 10वीं के आधार पर प्रथम वर्ष में एवं आईटीआई के आधार पर द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेष ले सकते है। इस हेतु ऑनलाईन रजिस्ट्रेषन दिनांक 09 अक्टूबर से प्रारंभ हो गए हैं जो कि 23 अक्टूबर तक किए जा सकते हैं। ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन उपरांत 23 अक्टूबर तक संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं। संस्था के प्राचार्य डॉ एसपी कोरी ने बताया कि वर्तमान में जो छात्र 10वीं के बाद ड्रापआउट है, रूक जाना नहीं स्क्रीम के है अथवा रेगुलर 11वी नही कर सकते उन्हें शासकीय पोलीटेकनिक महिवद्यालय रायसेन द्वारा डिप्लोमा के साथ-साथ एमपी बोर्ड से प्राईवेट 12वीं करने हेतु, साथ ही मप्र राज्य ओपन स्कूल एवं राष्ट्रीय ओपन स्कूलिंग संस्था से सीधे 12वीं करने हेतु आवष्यक विषयों की निःषुल्क कोचिंग एवं आवष्यक पुस्तकें संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जाएगीं। जिसमें विद्यार्थियों को स्नातक एवं इंजीनिरिंग स्नातक (बी.टेक) करने का अवसर हमेषा सुरक्षित रहेगा।

बलराम जयंती के उपलक्ष्य में कृषि मंडी में बंपर ड्रॉ 24 अक्टूबर को होगा

इटारसी। बलराम जयंती के उपलक्ष्य में कृषि उपज मंडी परिसर इटारसी में कृषि विपणन योजना का बंपर ड्रा होगा जिसमें भाग्यशाली किसान को बतौर ईनाम ट्रैक्टर मिलेगा। यह ड्रॉ 24 अक्टूबर को होगा। इस अवसर पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा मुख्य अतिथि रहेंगे। साथ ही अन्य अनेक जनप्रतिनिधि भी इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

कृषि उपज मंडी के प्रभारी सचिव केसी बामलिया ने बताया है कि मंडी के भारसाधक अधिकारी एवं एसडीएम टी प्रतीक राव के निर्देशन में कृषि विपणन पुरस्कार योजना 2024 का बंपर ड्रॉ 24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे मंडी प्रांगण में एक समारोह में खोला जाएगा। इसमें पुरस्कार पाने वाले किसान को एक ट्रैक्टर ईनाम में मिलेगा। कृषि उपज मंडी में विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र पटेल ने क्षेत्र के किसानों से अनुरोध किया है,कि इस दिन होने वाले बंपर ड्रॉ के कार्यक्रम में अवश्य शामिल हों।

ईएफए स्कूल मीडिया प्रोजेक्ट देश का पहला एकीकृत मीडिया प्लेटफार्म

मध्यप्रदेश राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड संचालित कर रहा है ईएफए स्कूल

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड ने ईएफए (एजुकेशन फॉर ऑल) स्कूलों के लिये ब्रांड पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से एकीकृत मीडिया प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस प्लेटफॉर्म के जरिये विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संचार कौशल के साथ अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिल रहा है। स्कूल मीडिया प्रोजेक्ट भारत का प्रथम एकीकृत मीडिया प्लेटफार्म है। जिसे एक्सट्रा चाईल्डहुड के सहयोग से विकसित किया गया है। यह मीडिया प्लेटफार्म 53 ईएफए शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने, अनुभव करने और प्रदर्शित करने के साथ दुनिया से जुड़ने और संवाद करने का अवसर प्रदान कर रहा है। ईएफए स्कूल मीडिया प्लेटफार्म में विभिन्न मीडिया चैनल और मीडिया सेवाएँ शामिल है। यह केन्द्र भोपाल के शासकीय ईएफए सरोजनी नायडू कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय भोपाल में एक केन्द्रीयकृत स्कूल मीडिया सेंटर के रूप में संचालित हो रहा है।

विभिन्न मीडिया प्लेटफार्म

ईएफए रेडियो बच्चों के लिये एक पॉडकास्ट स्टेशन है जो उन्हें अपना रेडियो शो बनाने में मदद करता है। ईएफए टीवी यह एक यूट्यूब चैनल जहां विद्यार्थी अपने वीडियों और कहानियां साझा करते है। ईएफए का समाचार पत्र अपने सभी विद्यालयों में सभी समाचार और अद्यतन जानकारी को साझा करता है। ईएफए सोशल मीडिया एक सोशल मीडिया प्लेटफार्म है जो इंस्टाग्राम, ट्वीटर और फेसबुक पर स्कूल की गतिविधियां उपलब्धियां और विशेष आयोजनों के बारे में दैनिक अद्यतन जानकारी साझा करता है। अब तक ईएफए पत्रिका ने 500 से अधिक अंकों में 15 हजार से अधिक हस्तलिखित पृष्ठ तैयार किये है। ईएफए रेडियो स्टेशन के माध्यम से 100 से अधिक रेडियो शो तैयार किये गये है। ईएफए टीवी ने एक हजार से अधिक वीडियो बनाये है, जिन्हें 5 लाख से अधिक बार देखा गया है। ईएफए विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा 40 से अधिक विशिष्ट व्यक्तियों, शासकीय अधिकारियों और जन-प्रतिनिधियों से साक्षात्कार लिये है।

मेट्रो एंकर नापतौल विभाग ने चावल फैक्ट्री व इटारसी में इंडियन ऑयल डिपो की जाँच की

नाप तौल विभाग द्वारा चलाया गया त्योहार में विशेष जॉच अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रभारी सहायक नियंत्रक नापतौल नर्मदापुरम ने जानकारी देते हुए बताया कि सितम्बर माह में नर्मदापुरम् जिले मे नाप तौल विभाग (विधिक माप विज्ञान) के अधिकारी सलिल ल्यूक व रीना शर्मा द्वारा सी.आई.एस. के माध्यम से प्राप्त निरीक्षण के आधार पर कीरतपुर में चावल फैक्ट्री व नमकीन फैक्ट्री, पिपरिया में चावल फैक्ट्री व इटारसी में इंडियन ऑयल डिपो की जाँच की गई। जिसमे दो फैक्ट्री को नियम के उल्लघंन करने पर कार्यवाही कर प्रकरण दर्ज किये गये।

बताया गया कि इसके साथ निरीक्षको द्वारा किराना दुकान, मिठाई/बेकरी संस्थान, वेयर हाउस के धर्मकोंटे, हाट बाजारो व उचित मूल्य की दुकानो की सघन जाँच कर पैकेज वस्तु नियम 2011 का व विधिक मापविज्ञान अधिनियम 2009 के अंर्तगत कार्यवाही कर 13 प्रकरण दर्ज किये गये। और व्यापारिक संस्थाऔ के नापतौल उपकरणो का सत्यापन कार्य किया गया। जिससे अभी तक 20 लाख 73 हजार 559 रूपये शासकीय राजस्व प्राप्त किया गया है।

नाप तौल अधिकारी सलिल ल्यूक द्वारा उपभोक्ताओ को त्यौहार मे खरीदी करते समय विशेष ध्यान रखने का अनुरोध किया गया है कि पूर्व पैक की गई सामग्री / वस्तु पर विधिक मापविज्ञान (पैकेज वस्तु नियम) 2011 के सही घोषणा वाला पैकेट / डिब्बा बंद वस्तु की ही खरीदी करे। जैसे डिब्बा बंद वस्तु पर पैकर/ निर्माता का पूरा नाम, पता कन्जूमर मोबा0 न0 ईमेल आई0डी, पैकेट मे रखे समान का शुद्ध वजन, मूल्य / यूएसपी मूल्य तथा पैकिगं व एक्सपायसिगं दिनॉक आदि अंकित हो।

बताया गया कि विभाग द्वारा त्यौहार मे विशेष जाँच अभियान चलाया जा रहा है जिसमे उपभेक्ताओ से त्यौहार मे जुडी संस्थानो की जाँच की जा रही है नियम का पालन न करने वाली संस्थानो पर कार्यवाही जा रही है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं का किया समाधान

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया गया। जनसुनवाई में विभिन्न तहसीलों से आने वाले नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु बार-बार परेशान ना होना पड़े! इसके लिए कलेक्टर श्री दुबे के निर्देशानुसार जिले के सभी अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, तहसीलदार, सीएमओ सहित अन्य खण्डस्तरीय अधिकारी भी वीसी के माध्यम से जनसुनवाई में शामिल हुए। कलेक्टर श्री दुबे ने जनसुनवाई में आए नागरिकों के आवेदनों पर सुनवाई करते हुए वीसी के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही निराकरण उपरांत अवगत कराने के लिए भी कहा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर श्री मनीश शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज अग्निवंशी सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

सिरोंज। पत्रकार सईद खांन की भतीजी दामाद के यहाँ निजी गार्डन में शादी समारोह संपन्न हुआ इस मोके पर अंसार खांन को उनके करीबी रिश्दारों एवं दोस्तों ने मुबारकबाद दी मुबारकबाद देने वालों में अंसार, नोमान, शाबान, सफान, अफजल, सामी, सफी, यासिर, मारूफ, अल्माज, अमान, तोहिद, रहीम, शेरी आदि।

सिरोंज। मध्य प्रदेश केश शिल्पी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सेन एवं उनके साथियों द्वारा राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेने जा रही रेणुका सेन राधिका सेन पुत्री राकेश सेन का शाल श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर उन्हें सम्मानित किया।

आरसीएमएस प्रकरणों के निराकरण में विदिशा अव्वल एवं सीएम हेल्पलाइन की रैकिंग सूची में द्वितीय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिला राजस्व आरसीएमएस प्रकरणों के निराकरण मामलों में प्रदेश स्तरीय जारी सूची में अव्वल स्थान हासिल किया है। प्रकरणों के निराकरण मामले में विदिशा जिला 86.66 प्रतिशत की उपलब्धि अर्जित कर प्रथम स्थान पर है।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा आरसीएमएस प्रकरणों के निराकरण को प्राथमिकता दी गई है। आरसीएमएस प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करने के फलस्वरुप विदिशा जिला पहले पायदान पर पहुंच पाया है।

सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण की प्रदेश स्तरीय मासिक ग्रेडिंग रैकिंग सूची आज मंगलवार 22 अक्टूबर को जारी हुई है। प्रदेश स्तरीय जारी ग्रेडिंग रैकिंग सूची मंर विदिशा द्वितीय स्थान पर है। कलेक्टर श्री सिंह ने अधीनस्थो का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि सभी प्रकार के आवेदनो के निराकरणो में इसी प्रकार की गति बनाए रखें ताकि विदिशा प्रदेश में अव्वल स्थान पर पहुंच सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन के तहत सितम्बर माह में दर्ज शिकायतो के निराकरण उपरांत मासिक ग्रेडिंग रैकिंग सूची जारी हुई है। विदिशा जिले में सितम्बर माह की दर्ज 8338 शिकायतो का समाधान कर जिले में ए रैकिंग सूची प्राप्त करते हुए कुल बैटेज स्कोर 83.32 प्रतिशत हासिल किया है। जिलो के प्रथम समूह की जिलेवार ग्रेडिंग एक सितम्बर से तीन सितम्बर तहत प्राप्त आवेदनों की 22 अक्टूबर की स्थिति में बैटेज के आधार पर जिलेवार स्कोर के आधार पर रैकिंग तदानुसार प्रथम स्थान पर कटनी जिला, द्वितीय पर विदिशा व तृतीय स्थान पर सीहोर जिला है।

खरीद कर बेचने वालों पर होगी पेनी नजर

समर्थन मूल्य पर 25 से होगी तौल प्रारंभ, 19 केद्रों का भेजा प्रस्ताव

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकार के द्वारा 25 अक्टूबर से समर्थन मूल्य केंद्रों पर खरीदारी प्रारंभ कराई जाएगी जिसकी तैयारियां आरंभ कर दी गई है विकासखंड में 19 समितियां के माध्यम से समर्थन मूल्य पर सोयाबीन उड़द आदि की खरीदारी होगी इसके लिए सभी समिति प्रबंधकों को खरीदी केदो पर उचित इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। जितने भी पात्र किसानों ने समर्थन मूल्य पर फसल बेचने के लिए पंजीयन करवाया गया है, उन्हें एसएमएस के माध्यम से सूचना देकर केदो पर बुलाया जाएगा उसी दिन उनकी फसल की तोल होगी यह नियम है अब इन नियमों के अनुसार खरीदी होगी या फिर हर बार नियमों के विपरीत अधिकांश जगह काम होता है इस बार भी इसी तरह का काम देखने को मिलेगा या फिर प्रशासन लगाम लगाने मैं इस बार सफल हो पाएगा या नहीं। वहीं प्रशासन गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी निगाह रखने की बात कर रहा है देखना है कि खरीद कर बेचने वाले सफल होंगे या फिर उन पर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई कर पाएगा तथा पात्र किसानों को फसल तुलवाने में किसी भी तरह की असुविधा नहीं होगी । एसडीएम हर्षल चौधरी के द्वारा जिले से प्राप्त निर्देशों के अनुसार अभी से व्यवस्थाएं प्रारंभ कर दी गई हैं सरकार की मनसा अनुसार पत्र किसानों को समर्थन मूल्य पर उपज बेचने में किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए अलग-अलग विभागों की टीमों को भी केंद्रों की जांच करने के लिए तैनात की जाएंगी अधिकारियों भी औचक निरीक्षण करेंगे जिले से भी टीमें केदो का जायजा लेने के लिए पहुंचेंगे समर्थन मूल्य पर खरीदारी प्रारंभ नहीं होने से अभी सोयाबीन के दाम मंडी में काम चल रहे हैं। कई किसानों के द्वारा आवश्यकता के चलते रेट कम मिलने के बाद भी मजबूरी में बेचने का काम किया जा रहा है। दूसरी ओर कुछ ऐसे लोग भी हैं जिनके द्वारा राजनीतिक तथा अन्य तरह का संरक्षण प्राप्त है उनके द्वारा इन किसानों से सोयाबीन की खरीददारी करके समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए पंजीयन भी करवाया गया है । इनकी पैदावार नहीं निकली है कुछ नहीं तो सोयाबीन की बोनी भी नहीं किया इसके बाद भी खरीद कर समर्थन मूल्य पर बेचकर पैसा कमाने का कार्य लंबे समय से करते आ रहे हैं। यहां लोग अभी से सक्रिय हो गए हैं। समर्थन मूल्य सोयाबीन तुलवाने के लिए सभी तरह के प्रयास करेंगे दूसरी ओर मंडी और अन्य जगह से खरीद कर किसानों के नाम पर गढ़वाली करने वालों की जानकारी रखने के लिए प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा भी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। जिनके द्वारा भी इस तरह से काम किया गया तो उनके खिलाफ कार्य कार्रवाई भी होगी इसकी तैयारी भी अभी से कर दी गई है खुफिया तंत्र को भी इस काम में तैनात कर दिया गया है ।वहीं देखने वाली बात तो यहां होगी प्रशासन क्या पत्र किसानों को ही समर्थन मूल्य फसल बेचने मैं किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी क्योंकि खरीदारी करने के दौरान सर्वयरों के द्वारा छोटे किसानों को फसल पास करने के चक्कर में परेशान किया जाता है। कमी दिखाकर कई सर्वयरों के द्वारा वसूली भी की जाती इसकी शिकायतें भी सामने आती है। इस बार इस व्यवस्था में कितना परिवर्तन होगा वह भी देखने वाली होगी इन लोगों के द्वारा अपना काम कितनी ईमानदारी से किया जाएगा यह तो तुलाई के दौरान ही पता चलेगा हमेशा फसल तोलने के बदले में कई हम्मालो तुलावटो के द्वारा किसानों से अतिरिक्त पैसा लिया जाता है। जबकि सरकार के द्वारा भी इनको इस काम के बदले में राशि दी जाती है फिर भी है इस खेल को अंजाम देकर वसूली करते हैं। इसीलिए तो गड़बड़ी करने वाले ठेकेदार सक्रिय हो गए हैं और तुलाई का काम लेने के लिए अपनी तरफ से एड़ी चोटी का जोर भी लग रहा है।

इनका कहना है

समर्थन मूल्य पर 25 से खरीदारी प्रारंभ होगी 19 समितियां से खरीदारी करवाने के लिए जिले में प्रस्ताव भेजा है पारदर्शिता के साथ तुलाई करवाई जाएगी पत्र किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो जाएगी जो भी खरीद कर बचेगा उस पर हम कड़ी कार्रवाई करेंगे।

हर्षल चौधरी एसडीएम

मावा, बंगाली मिठाई, लड्डू, रसगुल्ला के नमूने एकत्रित कर जांच के लिए भेजे

दीपावाली त्यौहार को देखते हुए खाद्य प्रतिष्ठान ऑन की जांच और निरीक्षण किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा आगामी दिनों में दीपावली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए विदिशा जिले में संचालित होने वाले खाद्य प्रतिष्ठानों से किसी भी प्रकार से मावा और मिठाइयों में कोई मिलावट ना हो का विशेष ध्यान रखते हुए खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, निरीक्षण और सैंपल लिए जाने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। प्राप्त निर्देशों पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों की टीम द्वारा जिले में सतत कार्यवाहियां जारी हैं।

कलेक्टर श्री सिंह के निर्देश पर आज नायब तहसीलदार श्री खान एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती एडलिन ई पन्ना की संयुक्त टीम ने राजस्थान स्वीट्स के कारखाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबार कर्ता को निर्देश दिए गए हैं कि मिठाई का निर्माण साफ-सफाई से करें और किसी भी प्रकार की कोई मिलावट ना करें।

विदिशा नगर में स्थित राजस्थान स्वीट्स के कारखाने से आज मावा, बंगाली मिठाई का नमूना जांच हेतु एकत्रित किया गया है तथा नगर के वैशाली नगर वेदांश इंटरप्राइजेस से आकाश ब्रांड के बेसन लड्डू, रसगुल्ला, नमकीन सेव, बिस्किट इत्यादि के नमूने जांच हेतु एकत्रित किए गए हैं। इन सभी सैंपलों को जांच परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाने की कार्यवाही की गई है।

जिले के सभी खाद्य कारोबार कर्ता को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि बिना खाद्य पंजीयन लाइसेंस के व्यापार ना करें। खाद्य सामग्री को ढंक कर रखें, मिलावटी मावे का विक्रय ना करें तथा साफ सफाई से खाद्य पदार्थों और मिठाइयों का निर्माण करें।

समर्थन मूल्य पर सोयाबीन विक्रय के लिए 30024 किसानों ने कराया पंजीयन

सिरोंज। खरीफ उपार्जन वर्ष 2024 में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन के लिये जिले में 30024 किसानों के द्वारा सोयाबीन फसल का पंजीयन कराया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने किसान पंजीयन की तहसील वार जानकारी देते हुए बताया कि जिले की सिरोंज तहसील में सर्वाधिक 6322 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसके अलावा बासौदा तहसील में 4394, कुरवाई तहसील में 3893, नटेरन तहसील में 3491, लटेरी तहसील में 2150 सहित विदिशा नगरीय तहसील में 78 किसानों ने पंजीयन कराया।

बालाजी धाम में न सड़क न नाली, रहवासी परेशान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भोले वाले लोगों को कई कालोनी काटने वालों के द्वारा खुलेआम चूना लगाने का काम किया जा रहा है। शासन प्रशासन के अधिकारी भी तमाशा देख रहे हैं या फिर इनके संरक्षण में ही जनता को अबैध रूप से कॉलोनी काटने वाले चूना लगा रहे हैं। क्योंकि इनके द्वारा प्लाट बेचने के बाद कॉलोनी में काम नहीं करवाया जाता इस वजह से इनमें रोड नाली नहीं होने से लोग गंदगी से परेशान हो रहे हैं। जबकि प्लांट बेचते समय सभी सुविधा उपलब्ध कराने का वादा किया जाता है पर कॉलोनी में प्लांट बिक जाने के बाद सुविधाओं के लिए रहवासियों तरसते हैं । सुविधाओं की मांग को लेकर रहवासी जब नगर पालिका प्रशासन के पास अवैध कॉलोनी में विकास कार्य करवाने की मांग करतें हैं तो प्रशासन मना कर देता है। दूसरी और बालाजी पुरम कॉलोनी में रह रहे लोगों को सड़क नाली नहीं होने के कारण परेशानी हो रही है । रहवासियों ने एसडीएम से भी शिकायत की पर कोई कार्रवाई नहीं की गई धर्मेंद्र राठौर ने बताया कि जब हमें कॉलोनी में प्लाट दिए गए था तब सभी सुविधाओं उपलब्ध करवाने का बोला गया था पर अब कोई काम नहीं करवाया जा रहा है इस वजह से हम लोग परेशान हो रहे हैं। जनता के साथ धोखा करने वालों पर अधिकारियों को काडी कार्रवाई करनी चाहिए।

मेट्रो एंकर

जनसुनवाई कार्यक्रम में 170 आवेदन प्राप्त हुए

कलेक्टर द्वारा मौके पर 98 आवेदनों का निराकरण, सिरोंज से भी पहुंचे फरियादी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा आहूत साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिकांश आवेदनों का निराकरण हो रहा है। कलेक्टर स्वंय तमाम आवेदनों के निराकरणो की विभागवार पृथक-पृथक समीक्षा कर रहे है। जिसमें विगत जनसुनवाई के लंबित आवेदनों पर निराकरण की अद्यतन स्थिति से अधिकारी अवगत करा रहे हैं।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में खण्ड स्तरीय अधिकारी भी सीधे वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुडे रहते है और आवेदको के आवेदनों से अवगत होकर निराकरण की पहल कर रहे है। कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचने के पहले कक्ष के बाहर ही अपनी फरियाद लेकर पहुंचे सिरोंज तहसील के ग्राम पथरिया के ज्ञान सिंह आदिवासी की समस्या को गंभीरता से सुना। इस दौरान आवेदक ने जाति प्रमाण पत्र और आवास संबंधित समस्या से अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने मौके पर ही संबंधित अधिकारी से संवाद कर आवेदक की समस्या का जल्द से जल्द निराकरण कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 170 आवेदकों ने अपने आवेदन प्रस्तुत कर व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा मौके पर 98 आवेदनो का निराकरण किया गया है। कलेक्टेऊट के भूतल कक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर, तहसीलदार समेत विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों में से लंबित आवेदनों पर समय सीमा में निराकरण कर जन आकांक्षा पोर्टल पर जानकारियां दर्ज कराने के निर्देश दिए है।

स्वास्थ्य परीक्षण – कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदन देने वाले आवेदको के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए नवीन व्यवस्थाएं प्रारंभ कराई है। जनसुनवाई कक्ष के समीप चिकित्सको की टीम के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के कार्यो का संपादन करते हुए मरीजो को निःशुल्क दवाईयां प्रदाय की गई है।

पहले स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 65 नागरिको के रक्तचाप, डायबिटीज की जांच कर रोगोपचार दवाईयां प्रदाय की गई है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जनसुनवाई में पहुंचने वाले आवेदको की स्वास्थ्य जांच हेतु लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का जायजा उन्होंने मौके पर पहुंचकर लिया। इस दौरान उन्होंने स्टॉफ से संवाद कर स्वास्थ्य परीक्षण के लिए क्या-क्या व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई कि जानकारी प्राप्त की।

पंजीयन व पावती – जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदन प्रस्तुत करने वाले आवेदको के आवेदनों की पावती देने और पंजीयन करने के अलग-अलग काउंटर भी संचालित किए गए थे। इन काउंटरो पर पहुंचकर आवेदको से आवेदन प्राप्ति के उपरांत उन्हें पावती देने और पंजीयन क्रमांक देने का कार्य किया जा रहा है ताकि आवेदको को इस बात का संज्ञान हो जाए कि हमने किस तारीख को आवेदन दिया और उसका क्रमांक कितना है एवं किस विभाग के द्वारा निराकरण कर जानकारी जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा हरेक जनसुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त होने वाले आवेदनों के निराकरण की विशेष मॉनिटरिंग व्यवस्था क्रियान्वित की जा रही है ऐसे आवेदन जिनका निराकरण मौके पर संभव नहीं हुआ है। उन आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभागो के अधिकारियों द्वारा एक सप्ताह की अवधि में क्या कार्यवाही की गई है से निराकरण समीक्षा दौरान अवगत कराया जा रहा है।

आवेदनो की समीक्षा – कलेक्टर श्री सिह ने पिछली जनसुनवाई के लंबित आवेदनों पर विभागीय अधिकारियों द्वारा क्या कार्यवाही की गई है कि समीक्षा की। जनसुनवाई कक्ष में आयोजित उक्त समीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संतुष्टिपूर्वक जबाव दाखिल नहीं करने, समस्याओं का निराकरण नहीं करने के फलस्वरूप उन्हें शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए है। इसी प्रकार जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के सहायक महाप्रबंधक श्री अनूप दुबे के द्वारा प्राप्त आवेदनों के संबंध में अनभिज्ञता, असमर्थता जाहिर करने पर श्री दुबे का एक दिन अर्थात मंगलवार 22 अक्टूबर का वेतन काटने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि लंबित आवेदनो के निराकरण संबंध में क्या कार्यवाही की गई है कि समुचित जानकारियां जन आकांक्षा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराई जाए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को नुकसानः हॉकी कुश्ती, बैडमिंटन, शूटिंग सहित 9 खेल बाहर

एडिनबरा. एजेंसी

2026 में ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स से बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, स्क्वॉश, टेबल टेनिस, कुश्ती, ट्रायथलन और आर्चरी को बाहर कर दिया गया है। ग्लासगो कॉमनवेल्थ में केवल 10 इवेंट ही होंगे। इसमें एथलेटिक्स, स्वीमिंग, आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स, ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो, बाउल्स और बास्केटबॉल शामिल हैं। ये सभी इवेंट चार स्थानों पर होंगे। इसके अलावा पैरा खिलाड़ियों के इवेंट होंगे। पहले यह कॉमनवेल्थ गेम्स ऑस्ट्रेलिया में होने थे। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने आयोजन से इनकार कर दिया। इसके बाद गेम्स को ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में कराने का फैसला लिया गया। बर्मिंघम में हुए थे 19 खेल पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स (2022 में) इंग्लैंड के बर्मिंघम में हुए थे। इसमें 19 खेल शामिल थे। भारत ने यहां 12 खेलों में मेडल हासिल किए थे। आर्चरी और शूटिंग को बर्मिंघम गेम्स में शामिल नहीं किया गया था। हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन, शूटिंग में भारत ने अब तक 286 मेडल जीते हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन, शूटिंग में भारत ने अब तक 286 मेडल जीते हैं, जिनमें 149 गोल्ड शामिल है। बैडमिंटन में भारत ने 31 मेडल जीते हैं। इनमें 10 गोल्ड, 8 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज शामिल हैं। वहीं, शूटिंग में भारत ने अब तक 135 मेडल अपने नाम किए। इनमें 63 गोल्ड, 44 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज शामिल है। कुश्ती में भारत ने कुल मिलाकर 114 मेडल जीते हैं। इनमें 49 गोल्ड, 39 सिल्वर और 26 ब्रॉन्ज शामिल है। मेंस हॉकी में भारत ने अब तक 3 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। विमेंस टीम ने इतिहास रचते हुए 2002 में गोल्ड जीता था। विमेंस हॉकी टीम कॉमनवेल्थ में 3 मेडल जीत चुकी हैं। हॉकी 1998 से कॉमनवेल्थ खेलों का हिस्सा फील्ड हॉकी 1998 से राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा रही है। इसमें ऑस्ट्रेलिया की पुरुष और महिला टीमों का दबदबा हमेशा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम ने सात बार (1998, 2002, 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) गोल्ड मेडल जीते हैं। वहीं, महिला टीम ने चार बार गोल्ड मेडल और एक बार सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

भारतीय पुरुष टीम 2010, 2014 और 2022 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारकर सिल्वर मेडल जीती। वहीं, भारतीय विमेंस टीम ने 2002 में गोल्ड मेडल जीता था। विमेंस हॉकी टीम 2006 में सिल्वर और 2022 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रही थी। बर्मिंघम खेलों में जीते थे कुल 61 पदक 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 61 मेडल जीते थे, जिनमें से 22 गोल्ड मेडल थे। भारतीयों ने कुश्ती (12), वेट लिफ्टिंग (10), एथलेटिक्स (8), मुक्केबाजी और टेबल टेनिस (7-7) में सबसे ज्यादा पदक जीते थे। इस कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने सिल्वर मेडल जीता था। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 क्रिकेट के फाइनल में भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हुआ था। यहां भारत को सिल्वर मेडल मिला था।

गिल या राहुल में से किसी एक को मौका

सीरीज का दूसरा मुकाबला कल, फिर तीन स्पिनर्स के साथ उतरेगी भारतीय टीम

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला कल से पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में शुरू होगा। भारत को पहले टेस्ट में 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम का कॉम्पोजिशन वही रह सकता है जो पहले मैच में था, लेकिन इस बार कुछ नाम बदल सकते हैं। टीम फिर पांच बल्लेबाज, एक विकेटकीपर, तीन स्पिनर और दो फास्ट बॉलर के साथ उतरेगी। हालांकि, अंतिम-11 फाइनल करने से पहले टीम मैनेजमेंट को तीन सवालों के जवाब तलाशने होंगे। गिल चोटिल होने के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। अब वो फिट हैं। राहुल पहले टेस्ट में फेल रहे थे। वहीं पहले टेस्ट में कुलदीप कुछ खास नहीं कर सके थे। अक्षर आते हैं तो बैटिंग मजबूत होगी। इधर, आकाशदीप नई गेंद से विकेट ले रहे हैं। बैटिंग भी कर सकते हैं। सरफराज ने पक्की कर ली जगह बेंगलुरु टेस्ट में गिल को नंबर तीन पर खेलना था, लेकिन मैच से ठीक पहले वे इंजर्ड हो गए। उनकी जगह सरफराज खान को मौका मिला। सरफराज ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए सेंचुरी जमा दी। उनको अब बाहर रखना टीम मैनेजमेंट के लिए बहुत मुश्किल होगा। ऐसे में अगर गिल को प्लेइंग-11 में लाना है तो केएल राहुल को बाहर बैठना ही होगा।

यशस्वी, रोहित शर्मा, विराट कोहली ऋषभ पंत को नहीं कर सकते ड्रॉप

यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा, विराट कोहली ऋषभ पंत को तो ड्रॉप किया नहीं जा सकता है। ऐसे में बाहर होने का नंबर केएल राहुल का ही आता है। राहुल को अगर एक मौका और दिया गया तो गिल इस बार भी बेंच पर ही रह जाएंगे। बैटिंग में गहराई लाने के लिए 3 ऑलराउंडर्स के साथ उतर सकती है टीम पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत की पूरी बल्लेबाजी ढह गई थी। दूसरी पारी में टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर ने अच्छा खेल दिखाया था, लेकिन लोअर ऑर्डर कोई संघर्ष नहीं कर सका था। दूसरी पारी में भारत ने 3 विकेट पर 408 रन बना लिए थे, लेकिन आखिरी 6 विकेट 54 रन जोड़ने में गंवा दिए और टीम 462 पर ऑलआउट हो गई थी। इस बार ऐसी स्थिति न हो इसके लिए भारतीय टीम तीसरे स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव की जगह अक्षर पटेल को मौका दे सकती है। 2 तेज गेंदबाजों को मिल सकता है मौका टीम इंडिया प्लेइंग-11 में फिर 2 तेज गेंदबाजों को मौका दे सकती है। जसप्रीत बुमराह का खेलना पक्का है। दूसरे पेस बॉलर के लिए मोहम्मद सिराज को आकाश दीप से चैलेंज मिल रहा है। पिछले मैच में मोहम्मद सिराज पेसर्स-फ्रेंडली पिच पर भी ज्यादा असरदार साबित नहीं हुए थे। सिराज ने इस साल 7 घरेलू टेस्ट खेले हैं और 42.83 की औसत से केवल 12 विकेट लिए हैं। यह जसप्रीत बुमराह के बिल्कुल विपरीत है जिन्होंने 7 मैचों में 33 विकेट लिए हैं। आकाश दीप ने अब तक भारत के लिए 3 टेस्ट मैच खेले हैं।

ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 6 पदक

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम, पुडुचेरी में 17 से 20 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित 40वीं सीनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश ताइक्वांडो अकादमी, भोपाल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 6 पदक जीते। इस जीत में 1 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक शामिल हैं। खास बात यह है कि 7 साल के लंबे अंतराल के बाद मध्यप्रदेश ने इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया और पुरुष वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर रहे। खिलाड़ी आदित्य प्रजापति ने स्वर्ण एवं हरमन सिंह गिल ने रजत और अफज़ल अली, रागिनी मौर्य, लक्ष्य शर्मा, शिवानी मालवीय ने कांस्य पदक हालिस किया। इस शानदार प्रदर्शन पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा, हमारे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। यह जीत उनकी मेहनत और समर्पण का

परिणाम है। सभी खिलाड़ी मध्यप्रदेश राज्य ताइक्वांडो अकादमी, भोपाल के हैं और मुख्य प्रशिक्षक जगजीत सिंह मांड और सहायक प्रशिक्षक अर्जुन रावत के मार्गदर्शन में अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसके अलावा, अकादमी के 9 खिलाड़ी 38वें राष्ट्रीय खेल 2025, उत्तराखंड के लिए भी क्वालीफाई कर चुके हैं, जो ताइक्वांडो में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा का प्रमाण है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत टीम ऑफ द टूर्नामेंट में

दुबई. एजेंसी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी दमदार बल्लेबाजी के दम पर महिला टी-20 विश्व कप 2024 की 'टीम ऑफ टूर्नामेंट' में जगह बनाई। इस टीम में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की खिलाड़ियों का दबदबा रहा। हरमन इस टीम में जगह पाने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। भारत की ओर से हरमन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने चार पारियों में दो अर्धशतकों से 150 रन बनाए।

न्यूजीलैंड की तीन खिलाड़ी शामिलः जानकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा घोषित टीम में चैंपियन न्यूजीलैंड की तीन सदस्य हैं जिसमें 12वीं खिलाड़ी ईडन कार्सन भी शामिल हैं, जबकि उपविजेता दक्षिण अफ्रीका की भी तीन सदस्य हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौराः इशान किशन इंडिया-ए टीम में

नईदिल्ली. एजेंसी

युवा विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है और उन्हें सोमवार को आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय इंडिया-ए टीम में शामिल किया गया है। इस दौरे पर इंडिया-ए की टीम को ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेलने हैं, इसके बाद ये टीम एक इंट्रा स्क्वॉड गेम में टीम इंडिया का सामना भी करेगी। टीम में गायकवाड़ (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, देवदत्त पेडिकल, रिकी भुई, बाबा इंद्रजीत, ईशान किशन, अभिषेक, मुकेश कुमार आदि शामिल हैं।

मेट्रो बाजार

महंगा होने के बाद भी धनतेरस पर सोना खरीदना फायदेमंद

नईदिल्ली. दोपहर मेट्रो

धनतेरस से पहले सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, अमरीका में ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद, गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ने के साथ दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों की ओर से खरीद में तेजी से सोने को समर्थन मिला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना अपने ऑल-टाइम हाई 2730 डॉलर प्रति औंस पर है। वहीं भारत में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 80,000 रुपए को पार कर गया है। कई शहरों में एक किलो चांदी 1,00,000 रुपए के पार निकल गई है। कीमतों में आगे भी तेजी जारी रहने के आसार हैं। भारत मे त्योहारी सीजन में मजबूत मांग के कारण सोने की कीमतें 81,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंचने के बावजूद धनतेरस-दिवाली पर सोना खरीदना रिटर्न के लिहाज से मुनाफे का सौदा साबित हो सकता है। ब्रोकरेज फर्म कोटक सिक्योरिटीज के मुताबिक, अभी के मौजूदा स्तर से सोने की कीमतों में 10 फीसदी और तेजी आ सकती है। कॉन्ट्रैक्ट के लिए वायदा चांदी की कीमतें एमसीएक्स पर, दिसंबर कॉन्टैक्ट वाला सिल्वर 98,640 पर, 10 दिन में ही 10,000 दाम बढ़ चुके हैं। वहीं सोने-चांदी के भाव अमरीकी फेडरल रिजर्व की ओर से दरों में कटौती के बाद 10 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल के कमोडिटीज

रिसर्च एनालिस्ट मानव मोदी ने कहा, आने वाले महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमा 3000 डॉलर प्रति औंस और भारत में 86,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी की कीमतें 1.15 लाख रुपए किलो तक जा सकती है। कोटक सिक्योरिटीज के कमोडिटी रिसर्च वीपी कायनात चैनवाला का कहना है कि मार्च 2025 तक सोना 87,000 रुपए के स्तर को पार कर सकता है। वहीं सैमको सिक्योरिटीज के अपूर्व सेठ ने कहा, इंडस्ट्रियल मांग बढ़ने से अप्रेल 2025 तक प्रति किलो चांदी 1.35 लाख रुपए का आंकड़ा छू सकती है। हालांकि निवेश सलाहकारों का यह भी कहना है कि गोल्ड-सिल्वर में 6-7 फीसदी तक का करेक्शन भी आ सकता है।

बड़े शहरों में 5 फीसदी बढ़ी मकानों की बिक्री, पर छोटे शहरों में 13 फीसदी तक घटी

मुंबई, एजेंसी. देश में किफायती मकानों की बिक्री में गिरावट आई है। नाइटफ्रैंक के मुताबिक, देश के 8 प्रमुख प्रॉपर्टी बाजारों में सितंबर तिमाही में मकानों की बिक्री 5 फीसदी बढ़कर 87,108 यूनिट रही, जो इस साल किसी भी तिमाही में सबसे अधिक है। वहीं दूसरी तरफ टॉप 30 टियर-2 शहरों यानी छोटे शहरों में मकानों का बिक्री 13 फीसदी घटी।

प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर तिमाही में इन शहरों में 41,871 मकान बिके, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 47,985 मकान बिके थे। तीसरी तिमाही में ज्यादातर छोटे शहरों में मकानों की बिक्री में दहाई अंकों में गिरावट आई। बड़े शहरों में सितंबर तिमाही में 50 लाख रुपए से कम कीमत वाले मकानों की बिक्री 14 फीसदी घटकर 20,769 यूनिट रही, वहीं महंगे घरों का बिक्री बढ़ी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

कैटरीना कैफ को ससुराल वालों ने दिया है प्यारा सा नाम, बोलीं- 'वो मुझे किट्टो कहकर बुलाते हैं...'

कटरीना कैफ और विक्की कौशल की करवाचौथ की तस्वीरों को प्रशंसक बहुत पसंद कर रहे हैं। कैटरीना को अक्सर त्योहार पर परिवार के साथ ही देखा जाता है। त्योहार पर पूरा परिवार एक साथ रहता है। कैटरीना ने हाल ही में अपने घर का नाम बताया जो उनके ससुराल वाले प्यार से कहकर बुलाते हैं। द कपिल शर्मा शो सीजन 2 में कैटरीना कैफ से पूछा कि उनके ससुराल वालों ने उन्हें क्या नाम दिया है, इस पर कैटरीना ने कहा कि ससुराल वाले उन्हें 'किट्टो' कहकर बुलाते हैं। इस शो में कैटरीना के साथ अभिनेता ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी भी पहुंचे थे। कुछ दिन पहले ही कैटरीना ने ससुराल वालों के साथ करवा चौथ की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इन तस्वीरों को प्रशंसकों ने पसंद किया है। अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने भी अपने पति विक्की कौशल के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। इस दौरान उन्होंने पूरे कौशल परिवार के साथ एक प्यारी तस्वीर भी साझा की है। विक्की और कैटरीना ने 9 दिसंबर 2021 को शादी की थी। विक्की कौशल भी कैटरीना के लिए करवा चौथ का व्रत रखते हैं।

पैसों के लिए अन्नू ने चुना अभिनय का रास्ता अभिनेता ने शुरुआती संघर्षों को किया याद

अन्नू कपूर की गिनती बॉलीवुड के शानदार अभिनेताओं में होती है। उनकी अदाकारी के चलते फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें एक विशेष पहचान हासिल है। सौ से अधिक फिल्मों और टेलीविजन शो में काम कर चुके अभिनेता ने अभिनय के क्षेत्र में आने के उद्देश्य के बारे में खुलासा किया। अन्नू ने बताया कि वह अभिनय के क्षेत्र में क्यों आए। अभिनेता ने सिनेमा की दुनिया में अपनी अरुचि के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने ने स्वीकार किया कि अभिनय में कोई दिलचस्पी नहीं थी। 'मैंने इसे पैसे के लिए किया। मेरा परिवार गरीब था और मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था।' हिंदी सिनेमा में अभिनेता ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें 'मिस्टर इंडिया' और 'बेटा' जैसी फिल्मों में उनकी यादगार भूमिकाएं शामिल हैं, कपूर ने माना की अभिनय कभी भी एक सपना नहीं था, बल्कि एक लक्ष्य तक पहुंचने का साधन था। बचपन कठिनाइयों से भरा था। उनके पिता को उनके पेशे के कारण सामाजिक कलंक से जूझना पड़ा, उन्हें अपनी थिएटर कंपनी के कारण एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ा।

काजोल को नहीं पसंद सोशल मीडिया की जिंदगी, बोलीं- हमारी मेहनत को नजर अंदाज किया जाता है, लोग गैर जरूरी कमेंट करते हैं...

काजोल ने हाल ही में सोशल मीडिया को लेकर बात की। एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह खुश हैं कि उन्होंने उस समय में जिंदगी बिताई जब सोशल मीडिया नहीं था। ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर काजोल ने कहा ये चुनौतियां होती हैं, लेकिन उन्हें अपने काम और पहचान पर गर्व है। काजोल ने सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचनाओं के बारे में बात की। काजोल ने कहा, 'सोशल मीडिया पर जिंदगी असली नहीं होती। लोग रेड कार्पेट की तस्वीरें देखते हैं, लेकिन उसके पीछे की मेहनत को नजर अंदाज कर देते हैं। जैसे कि उन्हें यह नहीं पता होगा कि मैं किसी भी इवेंट में जाने के लिए सुबह 5 बजे उठकर तैयार होती हूं और रात 11.30 बजे थक कर वापस लौटती हूं।' काजोल ने कहा, 'सोशल मीडिया पर लोग सिर्फ एक झलक देखते हैं, जबकि सच्चाई ये है कि हम भी दूसरों की तरह काफी मेहनत करती हूं। हमारी भी जिंदगी में अच्छे और बुरे दिन होते हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर सिर्फ वही तस्वीरें आती हैं, जिनमें हम मुस्कुरा रहे होते हैं।' काजोल ने ऑनलाइन ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए कहा, 'कई लोगों का मानना है कि जब कोई आपसे प्यार करता है तो उसे नफरत करने का भी अधिकार होता है। लेकिन मेरे ख्याल से यह सही नहीं है। लेकिन एक पब्लिक फिगर होने के कारण हमें यह सब सहना करना पड़ता है।'

डबल रेट पर सामान देने का विरोध, डॉक्टर को थप्पड़ मारा

अवैध कब्जा कर दुकान खोली, देर रात डबल रेट पर बेचता है सामान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एम्स चौराहा पर देर रात दुकान खोलकर रखने वाले दुकानदार ने डॉक्टर को थप्पड़ मार दिया। इतना ही नहीं आरोपी दुकान के अंदर से गैंती का बेत ले आया और उससे हमला बोल दिया। इस हमले में डॉक्टर और उनका साथी डॉक्टर घायल हुआ है। दरअसल, यह दुकानदार मुख्य चौराहा पर पूरी रात दुकान खोलकर रखता है और दुकान पर आने वाले ग्राहकों डबल कीमत पर सामान देता है। दुकानदार का ग्राहक विरोध करें तो वह साफ कहता है कि रात में दुकान खोलने के बदले उसे पुलिस को महीने की रकम देनी पढ़ती है। इसलिए वह महंगा सामान देता है।

पुलिस के अनुसार डॉ. लवकुश सोनी पिता महेन्द्र कुमार सोनी (28) प्रगति परिसर, नेहरू नगर में रहते हैं। वे रोशनपुरा स्थित एक प्रायवेट अस्पताल में डॉक्टर हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मंगलवार रात वह अपने अपने साथी डॉक्टर सचिन राठौर और डा. अक्षय सिंह के साथ एम्स भोपाल पहुंचे। वहां अपने दोस्त से ट्राली बेग लिया और लौट रहे थे। तीनो एम्स चौराहा पर शर्मा की दुकान पर पहुंचे और वहां सिगरेट समेत चाय के लिए आर्डर किया। उसका रेट पूछा तो तय रेट से दोगुना रेट बताने लगा। डॉक्टर सोनी ने रेट से अधिक रेट पर सामान बेचने की बात कहते हुए शिकायत करने की बात कही तो दुकानदार भड़क गया। डॉक्टर सोनी ने मोबाइल पर फोटो खीचने लगे तो अंदर से दुकानदार गालियां देने लगा और बाहर निकल कहने लगा कि तू कौन होता है मुझे रेट बताने वाला।

फाइल फोटो

पुलिस को देता हूं महीने के पैसे

डॉक्टर सोनी ने कहा तमीज से बात करों और गालीलगौज न करों तो वह भड़क गया। झूमाझटकी करते हुए मारपीट करने लगा। आरोपपी अंदर से फावडे का बेत जैसा कुछ ले आया और हमला कर दिया। इससे डॉक्टर सोनी को दाहिने हाथ की हथेली, कमर में चोट आई है। डॉक्टर सोनी का दोस्त सचिन ने बचाने का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट की। अक्षय सिह एवं आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया इतने मे शर्मा दुकानदार बोला कि आज तो बच गए दौबारा यहां नजर आए तो जान से खत्म कर दूंगा।

दुकान से कुछ दूरी पर हो चुका है मर्डर

जानकारी के अनुसार अवैध दुकान बनाकर पूरी दुकान खोलकर रखने वाला शर्मा खुद को बड़ा रसूखदार बताता है और कहता है कि पुलिस विभाग में उसकी बड़ी पकड़ है। उसका थाना प्रभारी और थाने वाले कुछ नहीं बिगाड़ सकते हैं। रात में गश्त करने वाली पुलिस खुद उसकी दुकान से सामान खरीदती है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले इसी दुकान से तीन नाबालिग ने शराब के नशे में सिगरेट खरीदी थी और कुछ दूरी पर बैठे युवक से मारपीट करते हुए उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने शराब बेचने वाले दुकानदार पर कार्रवाई की बात कही थी, लेकिन यहां पूरी दुकान खोलकर दोगुना रेट पर सिगरेट समेत अन्य सामान बेचने वाले इकलौते दुकानदार पर पुलिस ने अभी तक कार्रवाई नहीं की।

पुलिस को देखकर झाड़ियों में छिप गया था बदमाश

गांजा तस्कर से एक किलो 800 ग्राम गांजा जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से एक किलो आठ सौ ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत तीस हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस गांजा तस्कर पर एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार दीपक उर्फतोता पिता प्रकाश (27) विकास नगर झुग्गी में रहता हैं। उस पर पूर्व में चोरी और मारपीट के अपराध दर्ज है। पुलिस को सूचना मिल रही थी कि इन दिनों वह गांजे की तस्करी कर रहा है। पुलिस ने उस पर नजर रखनी शुरू की। इस दौरान वह रात्रि गश्त में वह पुलिस को शुक्रवारा मार्केट के पास संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ा हुआ नजर आया। पुलिस ने उसका पीछा किया तो वह झाड़ियों में छिप गया। पुलिस की टीम ने उसे झाड़ियों से तलाश निकाला। तलाशी लेने पर उसके पास से एक किलो आठ सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस आरोपी को गांज समेत थाने ले आई और एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

दुकान के अंदर नौकर ने लगाई फांसी

राजधानी के खजूरी सड़क थाना इलाके में पंक्चर की दुकान के अंदर नौकर ने फांसी लगा ली। वह दुकान में ही सोया करता था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, इस वजह से फिलहाल खुदकुशी का कारण पता नहीं चल पाया है। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि नौकर शराब पीने की लत लग गई थी। खजूरी सड़क थाना के हवलदार ओमप्रकाश ने बताया कि 19 वर्षीय रिजवान पुत्र एनुल मूलतः मुजफ्फरपुर, बिहार का रहने वाला था। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है।

डॉक्टर युवती के साथ होटल में किया दुष्कर्म

इंटर्नशिप कराने के बहाने 40 हजार रूपये भी हड़पे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंगलवारा पुलिस ने एक डॉक्टर युवती की रिपोर्ट पर दिल्ली में रहने वाले युवक के खिलाफ दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी ने इंटर्नशिप कराने के बहाने युवती को होटल में बुलाकर दुष्कर्म किया और 40 हजार रुपये भी ठग लिए थे। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट देवास में दर्ज कराई थी। केस डायरी आने के बाद मंगलवारा पुलिस ने असल कायमी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक देवास की रहने वाली 28 वर्षीय युवती ने विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई की है। उसे इंटर्नशिप करना था।

इसी दौरान सोशल मीडिया इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी पहचान मोहित सिंह नामक युवक से हुई। मोहित सिंह दिल्ली का रहने वाला बताया गया है। उसने युवती को इंटर्नशिप करवाने का झांसा दिया और मिलने के लिए भोपाल बुलाया। पिछले महीने 17 सितंबर को युवती भोपाल पहुंची और मंगलवारा स्थित एक होटल में मोहित सिंह से मिलने गई। इस दौरान मोहित सिंह ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और चालीस हजार रुपये ले लिए। बाद में उसने कुछ और रुपये भी आनलाइन ट्रांसफर करवाने का दबाव डाला। पीड़िता ने देवास के स्थानीय थाने में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

निफ्ट में सफाई मित्रों के लिए हुआ विशेष कार्यक्रम

भोपाल। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) भोपाल में स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत स्वच्छता विशेष अभियान 4.0 के दौरान मंगलवार को परिसर में कार्यरत सफाई मित्रों के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम परिसर को स्वच्छ रखने के सभी सफाई मित्रों के निरंतर योगदान के लिए आभार प्रकट करने हेतु आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में ले. कर्नल आशीष अग्रवाल, निदेशक, साक्षी, सहायक प्राध्यापक व नोडल अधिकारी स्वच्छता और सिकन्दर बख्त, कम्प्युटर इंजीनियर व प्रशासन प्रभारी द्वारा सफाई मित्रों को धन्यवाद स्वरूप भेंट प्रदान की गई।

घर के सामने खड़ी स्कूटर और बाइक चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तलैया इलाके में घर के सामने खड़ी एक युवक की स्कूटर चोरी चली गई, वहीं कोहेफिजा में बदमाश बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक शेष मुजफ्फर (34) चौकी तलैया में रहते हैं और चांदी के आभूषणों की सफाई का काम करते हैं। उन्होंने अपनी स्कूटर घर के बाहर खड़ी की और अंदर चले गए। करीब पंद्रह मिनट बाद बाहर निकले तो स्कूटर गायब हो चुकी थी। इधर सैयद उमेर मसूद (43) इंद्रविहार कालोनी एयरपोर्ट रोड पर रहते हैं और प्रायवेट नौकरी करते हैं। उनके घर के सामने खड़ी बाइक चोरी चली गई।

चोरी की नीयत से घर में घुसा बदमाश

कमला नगर में रहने वाली एक महिला के घर बदमाश चोरी की नीयत से घुस गया। घटना के समय वह नशे की हालत में था। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अनीता चौबे (55) सुरुचि नगर में रहती हैं। सोमवार की शाम करीब साडे छह बजे वह किचन में काम कर रही थी, जबकि पति देवकुमार भी घर पर ही थी। इसी बीच एक दुबला-पतला युवत चैनल गेट खोलकर भीतर घुस गया। आवाज आने पर वह किचन से बाहर निकली तो युवक हाल में खडा दिखा। दंपति ने उससे सवाल-जवाब किए तो वह कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं था। उन्होंने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया तो वह बाहर नहीं निकल रहा था। शोर मचाने पर बंगले में किराए से रहने वाले लडके पहुंचे तो उसे घर से बाहर निकाला गया।

सेल्फी पाइंट के चौकीदार पर छुरी से हमला, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वीआईपी रोड स्थित सेल्फी पाइंट के चौकीदार के साथ तीन युवकों ने मारपीट कर छुरी से हमला कर दिया। कोहेफिजा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार शाहनवाज उद्दीन उर्फ शेखू (40) सीवेज पंप हाउस, फतेहगढ घाट पर रहते हैं। वह नगर निगम के गार्डन विभाग की तरफ से सेल्फी पाइंट की चौकीदारी करते हैं। रविवार की रात करीब सा?ढ उन्होंने पार्क दोनों गेट बंद कर दिए थे। गेट नंबर दो के पास पहुंचे तो तीन युवक और एक युवती बैठे हुए थे। उन्होंने लडकों से कहा कि पार्क बंद हो चुका है, आप लोग जाइए। इस पर तीनों लडकों ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। इसी बीच एक लडक ने जेब से छुरी निकाल कर हमला कर दिया, जिससे उनकी दाहिनी आंख के पास गंभीर चोट आई। उसके तीनों लडके और लडकी वहां से भाग निकले। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने शाहनवाज को थाने पहुंचाया, जहां से उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल भेजा गया। इलाज कराने के बाद शाहनवाज ने थाने जाकर अज्ञात तीन युवको के खिलाफ मारपीट और चाकूबाजी का केस दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस खंगाले रही सीसीटीवी कैमरे

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटर सवार महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया इलाके में स्कूटर सवार एक महिला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। इसी इलाके में रहने वाले एक युवक की बीमारी के चलते मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हुकुमबाई (33) ग्राम ऊधमपुर थाना सूखी सेवनिया में रहती थी और प्रायवेट काम करती थी। सोमवार की शाम करीब साढे चार बजे वह स्कूटर से काम पर जा रही थी।

बिलखिरिया स्थित अजीम प्रेमजी कालेज के पास अज्ञात वाहन ने महिला की स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दिया है। टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश के लिए मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। बीमारी के चलते युवक की मौत इसी इलाके में रहने वाले एक युवक की बीमारी के चलते मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक रवि सिंह (31) ग्राम सागौनी कला में रहता था और प्रायवेट काम करता था। पिछले कुछ दिनों से वह बीमार चल रहा था। परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से छुट्टी मिल गई थी। सोमवार को दोबार तबीयत बिगडने् पर परिजन उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

गोली मारकर काले हिरण का शिकार, खेत में मिला शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल से करीब 40 किलोमीटर दूर बरखेड़ा सालम गांव में एक काले हिरण को गोली मार कर शिकार करने का मामला सामने आया है। एक खेत में हिरण का शव पड़ा मिला है। शव 15 से 20 घंटे पुराना है होने की बात कही जा रही है। वन विभाग का कहना है कि हिरण के शरीर पर गोली जैसा घाव है। आशंका है कि काले हिरण को गोली मारी गई है। शिकार संभवत रात में हुआ है, लेकिन शिकारी शव नहीं ले जा सके। मंगलवार को वन विभाग के अधिकारियों ने भोपाल में हिरण के शव का पोस्टमार्टम करवाया है। 3 दिन में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आएगी। वन विभाग की टीम ने हिरण का अंतिम संस्कार कर दिया है।

वन विभाग के अधिकाारियों ने बताया कि 22 अक्टूबर मंगलवार को समय प्रातः 9.45 बजे बरखेड़ा निवासी सालम वीरसिंह मेवाडा द्वारा सूचना दी गई की ग्राम बरखेड़ा सालम में उनके पड़ोसी कृषक की निजी भूमि में एक ब्लैक बक मृत पड़ा हुआ है। जिसके बाद रेस्क्यू क्रैक टीम मौके पर पहुंची तो देखा की मृत ब्लैक बक जिसकी उम्र लगभग 5 वर्ष है के शरीर के आरपार घाव का निशान है।

मेट्रो एंकर | राष्ट्रीय शिक्षा नीति- टॉस्क फोर्स की बैठक

19 लाख विद्यार्थियों का डिजी लॉकर में पंजीयन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 19 लाख 14 हजार 177 विद्यार्थियों ने डिजी लॉकर में पंजीयन करवाया है। प्रदेश के 6338 विद्यार्थियों ने 28 महाविद्यालयों में विभिन्न 90 प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम पूर्ण किए हैं। प्रदेश में 35 महाविद्यालयों ने कॅरियर मेले लगाए, जिनमें 15 हजार 757 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है। विभिन्न कम्पनियों ने 2276 विद्यार्थियों का प्रथम चरण में चयन भी किया है।

यह जानकारी भारतीय ज्ञान परम्परा शीर्ष समिति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 टास्क फोर्स की बैठक में सामने आई है। समत्व भवन में भारतीय ज्ञान परम्परा शीर्ष समिति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 टास्क फोर्स की बैठक हुई। सीएम की अध्यक्षता में इस बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, टास्क फोर्स सदस्य अतुल कोठारी और म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष अशोक कडेल, सीएम कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, आयुक्त एवं सचिव उच्च शिक्षा निशांत वरवडे और समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लास रूम की स्थापना के कार्य निरंतर हो रहे हैं। इस क्रम में 247 महाविद्यालयों में 1047 स्मार्ट क्लास संचालित हैं। इसके अलावा 400 महाविद्यालयों में 400 वर्चुअल क्लास संचालित हो रही हैं। शेष 325 महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम एवं 172 महाविद्यालयों में वर्चुअल क्लास रूम प्रदाय करने के लिए विश्व बैंक परियोजना में महाविद्यालयों को सम्मिलित किये जाने के लिए साधिकार समिति स्तर पर कार्रवाई की जा रही है।

नवाचार जारी रखें: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री न यादव ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। गुणवत्ता बनाए रखते हुए इसे और भी श्रेष्ठ बनाने के प्रयास किए जाएं। वर्ष 2021-22 में प्रदेश का सकल पंजीयन अनुपात 28.9 है जो राष्ट्रीय स्तर के सकल पंजीयन अनुपात 28.4 से अधिक है। मध्यप्रदेश में बहु विषयक दृष्टिकोण (मल्टी डिसप्लीनरी एप्रोच) के अंतर्गत एक लाख 25 हजार से अधिक विद्यार्थी अपने मूल विषयों के अलावा अन्य विषयों के अध्ययन का भी लाभ ले चुके हैं। यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक बिन्दुओं के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य है। उच्च शिक्षा व्यवस्था में स्नातक स्तर पर कृषि जैसे विषय के अध्ययन के प्रावधान के भी अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022